राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार,10अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -195 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के कोविड-19 सेंटर में आग से 10 की मौत

विजयवाड़ा स्थित एक होटल में संचालित कोविडकेयर सेंटर में लगी आग।

मुख्यमंत्रीरेड्डी ने मृतकों के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा देने कीघोषणा की। आग लगने के वक्त वहां मौजूद थे 40 कोरोना मरीजऔर 10 मेडिकल स्टाफ।

विजयवाड़ा (एजेसी)। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में रविवार तड़के एक एक होटल में संचालित किए जा रहे कोविड केयर सेंटर में आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम हस्तियों ने इस घटना पर दुख जताया है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट कर लिखा, विजयवाड़ा में कोविड-19 केयर सेंटर के बारे में दुखद खबर सुनने के बाद शोक की लहर दौड़ गई, जहां एक आकस्मिक आग लगने से लोगों की जान चली गई। मेरे विचार और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर लिखा, विजयवाड़ा के एक काविड-19 सेंटर में आग लगने से दुखी हूं। मेरी भावनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। एपी सीएम वाईएस जगनमोहन रेड्डी के साथ मौजूदा स्थिति पर चर्चा की और हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया। वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने इस हादसे पर दुख जताया है और जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक सीएम ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश के साथ ही घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज देने के आदेश दे दिए हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि रमेश हॉस्पिटल्स नामक एक निजी अस्पताल ने होटल को किराये पर लिया था और यहां पर कोरोना वायरस मरीजों का इलाज किया जा रहा था। हादसे के वक्त होटल में 40 मरीज और 10 स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

विजयवाड़ा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य मंत्री वेल्लमपल्ली श्रीनिवास ने घटनास्थल का दौरा कर बचाव कार्यों की निगरानी की और कहा कि इस बात की जांच की जाएगी कि यह दुर्घटना थी या लापरवाही। बताया जा रहा है कि जिस वक्त स्वर्णा पैलेस नामक होटल में आग लगी, इसमें 40 कोरोना वायरस मरीजों समेत 50 लोग मौजूद थे।

विजयवाड़ा के पुलिस आयुक्त श्रीनिवास राव ने बताया, सुबह करीब 5 बजे होटल में आग लगी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक ध ुएं के कारण दम घुटने से सबसे ज्यादा लोगों की मौत हुई है। वहीं, फायर ब्रिगेड की कई गाडियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और यहां भर्ती अन्य मरीजों को पास के अस्पतालों में शिफ्ट किया। शुरुआती जांच में यह जानकारी सामने आई है कि आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और फिर फैलते हुए पहली मंजिल तक पहुंच गई।

6 अगस्त को 8 मरीजों की मौत हुई थी

गुजरात के अहमदाबाद के श्रेय कोविड अस्पताल में भी गुरुवार को आग लगी थी। इस हादसे में 8 मरीजों की मौत हुई थी। इनमें 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल थे। आग अस्पताल के चौथी मंजिल पर लगी। पुलिस ने इस मामले में अस्पताल के ट्रस्टी भारत महंत और एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है।

बिहार में 500 नए ग्रामीण बस स्टॉप का निर्माण होगा,जानें कहां कितने बनेंगे!

पटना। बिहार के विभिन्न जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में 500 नए बस स्टॉप बनेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इसका कार्य आरंभ किया। सड़क सुरक्षा को देखते हुए इसका निर्माण कराया जा रहा है। अगले वित्तीय वर्ष में और एक हजार बस स्टॉप बनेंगे। बस स्टॉप का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद निर्धारित ठहराव स्थल पर ही सार्वजनिक परिवहन की गाड़ियां रुकेंगी। वहां बैठने के लिए सीमेंटेड कुर्सी होगी, शेड भी होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण विभाग को निर्देश दिया है कि स्कूल-कॉलेज समेत सभी तरह के सरकारी भवनों के बेहतर रख-रखाव के लिए मरम्मत नीति शीघ्र तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी भवन बने हैं, या बन रहे हैं। सभी की निरंतर साफ-सफाई होती रहे, इसे सुनिश्चित करें। कहा कि सभी तरह की सड़कों के लिए मरम्मत नीति बनाई गई है, जिसे लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत भी ला दिया गया है। शुरू से ही हर क्षेत्र में हमलोगों ने विकास का अपना लक्ष्य बनाया और समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया। सवालिया लहजे में कहा कि वर्ष 2005 के पहले आधारभूत संरचना पर क्या काम होता था? 1990 से 2005 तक जिन्होंने शासन किया, उनके शासनकाल के अंतिम साल 2004-05 में भवन निर्माण से जुड़े कार्य में बजट का प्रावधान मात्र 22 करोड़ 53 लाख का था। वहीं हमलोगों ने वर्ष 2019-20 में आधारभूत संरचना के निर्माण पर 2650 करोड़ खर्च किया। वर्ष 2005 के बाद से बिहार में एक-से-एक भवन बने। पहले की निर्माण निगमों को बंद करने का निर्णय ले लिया गया था, पर हमलोगों को काम करने का राज्य की जनता ने मौका दिया तो ना सिर्फ पुराने निर्माण की निगमों को पुनर्जीवित किया गया,

पीएम किसान के तहत 8.55 करोड़ किसानों के खातों में भेजे गए 17 हजार करोड़ रुपए

1 लाख करोड़ रुपए की वित्तपोषण की शुरुआत

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को 8.5 करोड़ किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना के तहत 2 हजार रुपए की छठी किस्त जारी की। 8.55 करोड़ किसानों के खातों में 17 हजार करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। इसके साथ ही पीएम मोदी ने 1 लाख करोड़ रुपए की वित्त पोषण सुविधा का शुभारंभ किया।

पीएम किसान योजना के तहत सभी पात्र किसान परिवारों को सालाना 6 हजार रुपए की राशि दी जाती है। इस योजना की शुरुआत से अब तक लगभग 10 करोड़ किसानों को इसका फायदा मिला है। इस किस्त के बाद अब तक किसानों को करीब 92 हजार करोड़ रुपए भेजे जा चुके हैं।

कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड

प्राइमरी कृषि को-ऑपरेटिव संस्थानों को केवल 1 पर्सेंट ब्याज दर पर 1128 करोड़ रुपए ऋण की स्वीकृति दी जी जाएगी। ब्याज में 3 पर्सेंट की छूट और 2 करोड़ रुपए तक के ऋण पर सरकार गारंटी देगी। कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए भंडारण, कोल्ड स्टोरेज, पैक हाउथ और मार्केटिंग सुविधाओं का विकास किया जाएगा। वित्तीय संस्थायों द्वारा एक लाख करोड़ रुपए का ऋण उपलब्ध कराने की सुविधा होगी। प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां, कृषि उत्पादक संघ, किसान स्व-सहायता समूह, कृषि उद्यमी और स्टार्ट अप्स पात्र होंगे।

आवश्यक वस्तुओं से जुड़ा एक कानून दशकों पहले पहना था। वह इसलिए बना था क्योंकि तब अनाज की कमी थी, आज अनाज की अधिकता थी। इसलिए उस कानून से नुकसान होता था। लेकिन यह कानून अब तक लागू था, जिसकी अब कोई जरूरत नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि कृषि मंत्रालय ने छुट्टी होने के बावजूद रविवार का दिन इसलिए चुना क्योंकि आज हल षष्ठी है, आज भगवान बलराम का जन्मदिन है। किसान बलराम जी की पूजा करता है। मैं सभी देशवासियों विशेषकर किसानों को हल छठ की शुभकामनाएं देता हूं। देश में कृषि से जुड़ी सुविधाओं के लिए 1 लाख करोड़ रुपए का फंड लॉन्च किया गया है। इससे गांव-गांव में भंडारण और आधुनिक कोल्ड स्टोरेज तैयार करने में मदद मिलेगी और गांवों में रोजगार पैदा होंगे।

पीएम ने कहा कि 8.55 करोड़ किसानों के खातों में स्विच दबाते हुए 17 हजार करोड़ रुपए जमा हो गए। कोई बिचौलिया नहीं, सीधा किसानों के खातों में चला गया। संतोष इस बात का है कि इस योजना का लक्ष्य हासिल हो रहा है। हर किसान परिवार के पास सीधे मदद पहुंचे, इस उद्देश्य में योजना सफल रही है। 22 हजार करोड़ रुपए तो केवल कोरोना लॉकडाउन के दौरान पहुंचाए गए हैं।

पीएम ने कहा कि दशकों से यह मांग चल रही थी कि गांव में उद्योग क्यों नहीं लगते। जैसे उद्योगों को दाम तय करने और देश में कहीं भी बेचने की सुविधा होती है वैसी सुविधा किसानों को क्यों नहीं मिलती। अब ऐसा तो नहीं होता कि किसी साबुन का उद्योग किसी शहर में लगा है तो बिक्री उसी शहर में होगी। साबुन तो कहीं बिक सकता है, लेकिन खेती में ऐसा नहीं होता था। किसानों को शहर की मंडी में ही उत्पाद बेचना पड़ता था। पीएम ने कहा कि अब यह खत्म कर दिया गया है, अब जो उसे ज्यादा कीमत देता है उसके साथ अपने फसल का सौदा कर सकता है।

पीएम ने कहा कि नए कानून के तहत किसान अब उद्योगों से सीधे समझौता कर सकता है। इससे किसान को फसल की बुआई के समय तय दाम मिलेंगे, जिससे उसे कीमतों में होने वाली गिरावट से राहत मिल जाएगी। हमारी खेती में पैदावार समस्या नहीं है, बल्कि उपज की बर्बादी समस्या रही है। इससे किसानों और देश को नुकसान होता है। इसी से निपटने के लिए एक तरफ कानूनी अड़चनों को दूर किया जा रहा है और किसानों को सीधे मदद दी जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में मॉर्निंग वॉक पर गए BJP जिला अध्यक्ष को गोली मारी

5 दिनों में तीसरा हमला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में रविवार सुबह एक और बीजेपी नेता को गोली मार दी गई। अब्दुल हमीद नामक बीजेपी के जिला अध्यक्ष को श्री महाराजा हरी सिंह (एसएमएचएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि अब्दुल हमीद नजर ओम्पोरा में मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, जिस समय अज्ञात बंदूकधारियों ने उनपर गोलियां चला दीं। इसके बाद उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में अब्दुल हमीद का इलाज जारी है। 38 वर्षीय अब्दुल हमीद बीजेपी की ओर से जिला अध्यक्ष थे। यह पिछले पांच दिनों में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर जम्मू-कश्मीर में होने वाला तीसरा हमला है। इससे पहले, दक्षिणी कश्मीर के काजीकुंड इलाके में सरपंच की हत्या कर दी गई थी। सज्जाद अहमद नामक सरपंच को उनके घर के बाहर गोली मारी गई थी। पुलिस ने बताया था कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, उसी जिले में एक और सरपंच आरिफ अहमद शाह को भी आतंकियों ने गोली मार दी थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। केंद्र शासित प्रदेश में एक के बाद एक कई घटनाओं के सामने आने के बाद तीन बीजेपी कार्यकर्ताओं ने

खुद को बीजेपी से अलग कर लिया था। एक कायकर्ता ने कहा था, 'मैंने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है। मैं कुछ महीने पहले ही बीजेपी में शामिल हुआ था। मैंने सोचा कि अपने जीवन पर ध्यान केंद्रित करना और अपने परिवार को बिना किसी तनाव के खुशी से खाना देना बेहतर है।'

राजनाथ सिंह का बड़ा ऐलान, रक्षा क्षेत्र के 101 उपकरणों के आयात पर बैन

नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को बड़ा बूस्ट देने की तैयारी कर ली है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार सुबह कहा कि मंत्रालय ने 101 आइटम्स की लिस्ट तैयार की है जिनके लिए आयात के बारे में एक संकेत होगा जो टाइमलाइन से परे होगा। सिंह के मुताबिक, यह रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है।

क्या ऐलान कर सकते हैं रक्षा मंत्री? अटकलें तेज

सोशल मीडिया पर सिंह की घोषणा को लेकर तरह-तरह की अटकलबाजी हो रही है। कुछेक यूजर्स ने कहा कि रक्षा मंत्री 81 LCA तेजस की डील साइन होने का ऐलान कर सकते हैं। वहीं, कुछ लोग यह भी मजाकिया अंदाज में कह रहे हैं कि शायद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और अक्साई चिन को भारत ने फिर से वापस छीन लिया है, रक्षा मंत्री यही घोषणा करने वाले हैं। चूंकि स्वतंत्रता दिवस में सिर्फ एक सप्ताह का वक्त बचा है, ऐसे में इस घोषणा को लोग उससे भी जोड़कर देख रहे हैं।

चीन के साथ कोर कमांडर लेवल की बातचीत फेल

पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर तनाव बरकरार है। कुछ फ्रिक्शन पॉइंट्स से चीनी सेना पीछे हटी है मगर देपसांग और पैंगोंग त्सो में टस से मस होने को तैयार नहीं। दोनों देशों के बीच कोर कमांडर स्तर पर कई दौर की बातचीत बेनतीजा रहने के बाद, शनिवार को मेजर-जनरल स्तर की बातचीत शुरू हुई है। भारत ने साफ कहा कि देपसांग से चीन को अपने सैनिक वापस बुलाने होंगे।

सेना हर मोर्चे पर है अलर्ट

केंद्र सरकार की तरफ से बॉर्डर पर सेना को 'फ्री-हैंड' मिला हुआ है। रक्षा मंत्री भी कह चुके हैं कि सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे।

दिल्ली सरकार ने स्टार्ट-अप नीति पर परामर्श शुरू किया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी को दुनिया के शीर्ष पांच स्टार्ट-अप गंतव्यों में शामिल करने के लिये एक नीति का मसौदा तैयार करने को लेकर शनिवार को परामर्श प्रक्रिया शुरू की। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उद्योग जगत के दिग्गजों और युवा उद्यमियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि आम लोगों से इस बारे में जानकारी हासिल करने के लिये एक ऑनलाइन मंच शुरू किया जाएगा। एक बयान में यह जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा, नयी नीति के साथ हमारा लक्ष्य दिल्ली को विश्व के पांच शीर्ष गंतव्यों में शामिल करना है। नीति का उद्देश्य स्टार्ट-अप की वृद्धि को तेज करना और शहर को भारत में स्टार्ट-अप के लिये सर्वाधिक अनुकूल स्थान के रूप में तब्दील करना है। उन्होंने कहा, मैंने अपने आईटीआटी के दिनों से भारत के कुछ सर्वाधिक मेधावी छात्रों को बेहतर अवसर के लिये विदेश

जाते देखा है। मेरा मानना है कि दुनिया में भारतीय सबसे बेहतरीन उद्यमी हैं और उन्हें बस सही अवसर तथा सही परिस्थितयों की जरूरत है। बयान के मुताबिक दिल्ली सरकार जल्द ही स्टार्ट-अप नीति का मसौदा जारी करेगी।

डेपसांग में निर्बाध गश्त को लेकर मेजर जनरल स्तर की वार्ता, सकारात्मक प्रगति होने का दावा

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में एलएसी के निकट गतिरोध दूर करने के लगातार प्रयास जारी हैं। इसी सिलसिले में दोनों देशों के सेनाओं के बीच दौलतबेग ओल्डी में मेजर जनरल स्तर की बातचीत हुई जिसमें टकराव टालने के उपायों पर चर्चा हुई। सेना की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है लेकिन सूत्रों ने सकारात्मक प्रगति होने का दावा किया है। डेपसांग क्षेत्र में दोनों देशों के बीच टकराव की मुख्य वजह चीनी सेना द्वारा भारतीय सेना की गश्त में बाधा डालना है। यह स्थिति वहां गलवान घाटी में तनाव पैदा होने के बाद उत्पन्न हुई थी। चीनी सेना को करारा जवान देते हुए भारतीय सेना ने भी चीनी सैनिकों की गश्त को रोकना शुरू किया था। इसके बाद दोनों तरफ से टकराव बढ़ने लगा और दोनों तरफ सेना का जमावड़ा भी होने लगा। हालांकि, दोनों पक्ष अपने-अपने क्षेत्र में ही रहे। इधर, दोनों पक्ष थोड़ा पीछे भी हटे हैं। सूत्रों के अनुसार सुबह 11 बजे शुरू हुई बैठक शाम साढ़े सात बजे खत्म हुई। इस बैठक में मूलत एक दूसरे की गश्त में बाधा नहीं डालने और पूर्व की भांति उसे जारी रखने तथा अपने-अपने दावे वाले क्षेत्रों की पहचान करने के मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक सिर्फ डेपसांग में उत्पन्न स्थिति पर ही केंद्रीत थी। सरकारी सूत्र इसलिए भी इस बैठक को महत्वपूर्ण मान रहे हैं क्योंकि सैन्य कमांडरों की पिछली बैठकों में यह तय हुआ था कि तनाव वाले हर क्षेत्र में कर्नल, ब्रिगेडियर और मेजर जनरल स्तर के अधिकारियों के बीच नियमित बैठकें हों और विवाद का समाधान खोजा जाए। इस कड़ी में पहली बार डेपसांग में यह बैठक हुई है। समझा जाता है कि अन्य तनाव वाले क्षेत्रों को लेकर भी अलग से इस प्रकार की बैठकें हो सकती हैं।

लेकिन सूत्रों ने सकारात्मक प्रगति होने का दावा किया है। डेपसांग क्षेत्र में दोनों देशों के बीच टकराव की मुख्य वजह चीनी सेना द्वारा भारतीय सेना की गश्त में बाधा डालना है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सीबीआई के हाथ तफ्तीश

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में जांच का सारा दारोमदार अब देश की केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई के पास है। सीबीआई ने अपनी एफआईआर में सुशांत की मौत के मामले में रिया चक्रवर्ती को एक अभियुक्त के रूप में नामित किया है। जांच एजेंसी ने रिया चक्रवर्ती और उसके परिवार के सदस्यों समेत 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसमें रिया, उनके पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती, मां संध्या चक्रवर्ती, भाई शोविक चक्रवर्ती, सुशांत के घर के मैनेजर सैमुअल मिरांडा, श्रुति मोदी और अन्य को नामजद किया है। सीबीआई के संयुक्त निदेशक मनोज श्रीधर जांच की अगुवाई करेंगे। सीबीआई ने मामले को अपनी उस विशेष जांच टीम को सौंपा है, जो कई हाई प्रोफाइल मामलों की जांच कर चुकी है। स्वाभाविक तौर पर सीबीआई के सामने कई सारी चुनौतियां हैं। महाराष्ट्र सरकार से उसे कितना और किस रूप में सहयोग मिलेगा, यह देखना भी दिलचस्प होगा। क्योंकि जिस तरह से महाराष्ट्र सरकार सीबीआई से तफ्तीश नहीं कराने की जिद पर अड़ी रही, उससे शक गहराता है। सिर्फ यह दलील देने भर से कोई निश्चिंत नहीं हो सकता कि मुंबई पुलिस प्रोफेशनल है और मामले की जांच बेहतर तरीके से कर रही है; अतः किसी और को इस मामले में आने या किसी एजेंसी के जांच करने का कोई अर्थ नहीं है। हालांकि पूरे देश ने देखा कि मुंबई पुलिस का आचरण और उसकी नैतिकता तथा मर्यादा कहीं से भी उसके स्लोगन 'सद्ररक्षणाय खलनिग्रहणाय' यानी-अच्छे लोगों की रक्षा करना और बुरे लोगों का अंत करना-के अनुरूप नहीं रही। चूंकि सुशांत की मौत के बाद से कई सारी बातें निकल कर आइफ। साथ ही, इसमें पैसों के लेनदेन को लेकर भी कई खुलासे हुए; लिहाजा समग्र रूप से जांच किसी सक्षम एजेंसी को दिया जाना बेहद आवश्यक था। सीबीआई पर पूरे देश को भरोसा है। सोग उसकी जिम्मेदारी ज्यादा हो जाती है। फिर भी शुरुआती वक्त में बॉलीवुड़ गैंग और फिल्म उद्योग में भाई-भतीजावाद के आरोपों की बाबत भी जांच हो तो अच्छा रहेगा। अगर केंद्रीय जांच एजेंसी इसकी तह तक भी जाए तो कई सारे मामलों का पर्दाफाश जरूर होगा। सर्वोच्च अदालत में भी मामला है, तो देखना होगा कि वहां से क्या कुछ निर्देश आता है। कुल मिलाकार सीबीआई को कई कड़ियां मिलानी होंगी और उसके लिए यह केस वाकई काफी चैलेंजिंग है।

संवेदनशील हो उपचार

निस्संदेह कोरोना संकट के दौर में हमारे चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, मगर बीच-बीच में ऐसी विचलित करने वाली घटनाएं सामने आती हैं, जो हमारे चिकित्सा तंत्र पर भरोसे को डिगाती हैं। हाल ही में अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में तड़के लगी आग में कोविड-19 के आठ मरीजों की दर्दनाक मौत हो गई। विडंबना यह है कि आग अस्पताल के आईसीयू वार्ड में लगी। जाहिर है यहां गंभीर रोगी ही भर्ती किये जाते हैं। जाहिरा बात है कि ये आठ रोगी गंभीर अवस्था में रहे होंगे, तभी वे अपना बचाव नहीं कर सके। घटना कहीं न कहीं मानवीय चूक को ही दर्शाती है। संक्रमण का भय इतना ज्यादा है कि कोविड मरीजों के पास कोई तिमारदार भी मौजूद नहीं रह सकता। यदि होते तो शायद अग्निकांड के शिकार लोगों में से कुछ की जान बच सकती थी। निस्संदेह आग किसी न किसी की लापरवाही से ही लगी होगी। लगता है समय रहते आग पर काबू पाने और ?फंसे मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश नहीं हो पायी। निस्संदेह घटना हृदयविदारक है। अस्पतालों में पहुंचे मरीजों को भरोसा होता है कि वे अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों की टीम की देखरेख में सुरक्षित हैं। ऐसे में यदि आम लोगों का भरोसा डिगता है तो उसे फिर से बहाल करना कठिन होगा। आखिर जब विकसित राज्य गुजरात के एक बड़े शहर में अस्पताल का ये आलम है तो देश के छोटे शहरों, कस्बों और गांवों के अस्पतालों का क्या हाल होगा? ऐसी घटनाओं से सबक लेकर आगे के लिये चाक-चौबंद व्यवस्था करने की जरूरत है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को टाला जा सके। जरूरत इस बात की है कि उन परिस्थितियों का गहराई से अवलोकन किया जाये, जिनमें ऐसे हादसों की संभावनाएं पैदा हो सकती हैं। खासकर ऐसे दौर में जब पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है। छोटी चूक भी बड़ी मुसीबत का सबब बन सकती है।

हाल ही में पंजाब के एक नामी अस्पताल में कोविड-19 से मरने वाले मरीजों के बैड के नीचे पड़े शवों के चित्र कतिपय समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए। ये चित्र विचलित करते हैं। उन मरीजों पर इनका घातक असर पड़ता है जो अस्पताल में उपचार करवा रहे होते हैं। आरोप लगाया जा रहा था कि मरीज संक्रमण से तड़फते रहे और उनकी समय रहते देखभाल नहीं हुई। ऐसे ही खबरें दिल्ली के एक नामी सरकारी अस्पताल से भी आई थीं। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों को फटकारा था। कमोबेश ऐसी लापरवाही की खबरें देश के विभिन्न भागों से गाहे-बगाहे आती रही हैं, जो कोरोना के मरीजों को आतंकित करती हैं। कहीं मरीजों के बीच शवों के पड़े होने की खबरें आयीं। इस पर संवेदनहीन जवाब सामने आए कि हम पहले बीमारों का इलाज करें या शवों को हटायें। कई जगह शवों के बदलने से परिजनों में रोष देखा गया। ऐसे में उच्चस्तर पर कोविड अस्पतालों की निगरानी में तालमेल जरूरी है। निस्संदेह, सरकारी अस्पताल भी इस महामारी के दौर में भारी दबाव में हैं। डॉक्टरों, नर्सों और चिकित्साकर्मियों को खुद भी संक्रमण का खतरा है। ऐसे वक्त में जब खून के रिश्ते वाले भी अपनों के शव लेने से कतरा रहे हैं और उनके दाह संस्कार तक से कन्नी काट रहे हैं, चिकित्साकर्मियों का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। दरअसल, इस भयावह रोग ने शरीर के साथ-साथ मन-मस्तिष्क तक पर गहरा आघात किया है। लोग अज्ञात भय से जूझ रहे हैं। रोगी के साथ कोई परिजन रह नहीं सकता। रोग का कारगर उपचार उपलब्ध नहीं है। रोगी को कई तरह के मनोवैज्ञानिक दंशों से भी जूझना पड़ रहा है, जिसके चलते रोग के भय तथा अस्पतालों में एकाकीपन के चलते कई रोगियों ने आत्महत्याएं तक की हैं। ऐसे में मरीजों को उपचार के साथ-साथ पुचकार की भी जरूरत है।

विदेशी मीडिया

अरसे बाद अच्छी खबर

पिछले कुछ महीनों से कोरोना के प्रसार की वजह से पैदा स्वास्थ्य संकट, हमारी अर्थव्यवस्था पर वैश्विक मंदी के असर या देश भर में आई बाढ़ से प्रभावित लाखों लोगों की तकलीफें ही खबरों में छाई रही हैं। लेकिन निराशा से भरी इस पृष्ठभूमि के उलट जुलाई एक अच्छी खबर लेकर आई है और यह निर्यात के मोर्चे से मिली है। एक्सपोर्ट प्रमोशन ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, बीते महीने 3.9 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ, जो जून के मुकाबले 44.4 फीसदी ज्यादा तो है ही, पिछले साल की जुलाई के निर्यात से भी कुछ अधिक है। निर्यात में वृद्धि के पीछे सबसे बड़ा योगदान कपड़ा क्षेत्र का रहा। अकेले इसी क्षेत्र से 3.2 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ है और यह वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जुलाई के लिए तय लक्ष्य से 14.1 प्रतिशत अधिक है। बहरहाल, निर्यात क्षेत्र की इस सुखद तस्वीर का हम स्वागत करते हैं, लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि अप्रैल और मई में दुनिया भर में लॉकडाउन की वजह से ज्यादातर माल पिछले दो महीनों से फंसे पड़े थे। दुनिया भर के बाजार अब खुलने लगे हैं, खासकर यूरोप के खुदरा क्षेत्र में लॉकडाउन-पूर्व के हालात तेजी से लौटते हुए दिख रहे हैं। हमें इस मौके का इस्तेमाल अपने निर्यात को और मजबूती देने के लिए करना चाहिए। इसके लिए हमें वस्त्र के साथ-साथ जूट और इसके उत्पादों, हथकरघा, कृषि उत्पादों और दवा क्षेत्र के निर्यात पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

ठीक इसी समय हमें अपनी अर्थव्यवस्था के उन तत्वों और मेहनती कामगारों पर भी गौर करना चाहिए, जिनकी बदौलत हमारे ये अहम निर्यात मुमकिन हो पाते हैं। हम यह कतई नहीं भूल सकते कि महामारी के कारण 25,000 से अधिक वस्त्र मजदूरों की नौकरी चली गई है। हमने काफी विस्तार के साथ प्रकाशित किया था कि कोविड-19 के कारण कम से कम 1931 वैश्विक ब्रांडों ने बांग्लादेशी सप्लायरों को दिए अपने ऑर्डर कैसे रद्द कर दिए थे। इसलिए हमें वह सब कुछ करना चाहिए, जिससे इन बांग्लादेशी कंपनियों और कामगारों को उनका मुनासिब हक मिल सके।

आर-पार की लड़ाई के लिए दुनिया तैयार!

उपेन्द्र राय

लेबनान की राजधानी बेरुत में 'परमाणु बम' जैसे धमाकों की धुंध बेशक अभी साफ न हुई हो, लेकिन इन धमाकों ने दुनिया को एक साफ संकेत जरूर दे दिया है। यह संकेत दुनिया भर में चल रही टकराहट से आने वाली तबाही की आहट का है। बेरुत धमाके की जांच अभी जारी है, लेकिन नतीजे से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे 'आतंकी' हमला बता दिया। हालांकि इस अनुमान के समर्थन में ट्रंप अब तक कोई तर्क या सबूत पेश नहीं कर पाए हैं, लेकिन अपने स्वभाव के विपरीत वो अब तक अपने इस बयान से पलटे भी नहीं हैं। खास बात यह है कि लेबनान के राष्ट्रपति ने भी रॉकेट या बम से हमले की संभावना से इनकार नहीं किया है।

> चीन के खिलाफ एकजुट होने की ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री की गुहार का संदर्भ इसी खतरे से जुड़ता है। इस खतरे को लेकर दुनिया भारत की ओर भी बड़ी उम्मीद से देख रही है। पिछले आधे दशक में जिस तरह दुनिया में भारत का प्रभुत्व बढ़ा है, उसके बाद कई देश भारत सो इस तनाव को दूर करने की गुहार लगाते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत ने इ, दिशा में कई सार्थिक पहल भी की हैं, लेकिन चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों की पीठ पर वार करने की नीति ने भारत को भी अपनी सुरक्षा पर गंभीरता से विचार करे के लिए मजबूर किया है।

माना जा रहा है कि 'बाहरी दखल' की बात कह कर लेबनान ने अपने पड़ोसी इजरायल को मुजरिम साबित करने की कोशिश की है, लेकिन सऊदी अरब की मीडिया का खुलासा खुद लेबनान को कटघरे में खड़ा कर रहा है। इसके मुताबिक बेरु त के धमाके आतंकी समूह हिजबुल्लाह के हथियारों के गोदाम में हुए हैं। दरअसल, हिजबुल्लाह कंगाल हो रहे लेबनान की सत्ता भी है और सेना भी। बरसों से हिजबुल्लाह के लड़ाके इजरायल के लिए सिरदर्द बने हुए हैं। कुछ दिन पहले ही इजरायल ने दावा किया था कि हिजबुल्लाह को ईरान से एक लाख से भी ज्यादा रॉकेट और मिसाइलें मिली हैं, जिनके दम पर उसने बेरुत में कम-से-कम 28 मिसाइल बेस बनाए हुए हैं। इजरायल इन मिसाइल बेस को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है और कई बार लेबनान को चेता चुका था कि अगर हिजबुल्लाह ने कोई भी गलत हरकत की तो वो इन ठिकानों को नेस्तानाबूद कर देगा। ऐसे वक्त में बेरु त में धमाके होने से दोनों संभावनाओं के दरवाजे खुले गए हैं। यह लेबनान की खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा दुस्साहस भी हो सकता है, जिसका इशारा सऊदी मीडिया कर रहा है या फिर इजरायल का साजिशन हमला भी हो सकता है, जिसका अंदेशा ट्रंप समेत लेबनान के राष्ट्रपति भी जता रहे हैं। सवाल इस बात का भी है कि हजारों टन का यह विस्फोटक पदार्थ बेरुत ही क्यों लाया गया? क्या इसकी सप्लाई सीरियाई विद्रोहियों को की जानी थी या फिर बेरु त में ही रखकर इसका इस्तेमाल आतंकी हमलों के लिए किया जाना था? वजह जो भी हो, मकसद दुनिया की शांति खतरे में डालना ही है। लेकिन इस धमाके को केवल लेबनान-सीरिया और इजरायल तक सीमित नहीं रखा जा सकता, व्यापक तौर पर यह घटनाक्रम समूचे मिडिल ईस्ट की चिंताजनक पहचान है। आलम यह है कि मिडिल ईस्ट में कुल 18 देश हैं और आज यह सब एक-दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं। उस पर तुर्रा यह है इन देशों के बीच शांति बहाल होने की भी दूर-दूर तक कोई उम्मीद नहीं दिखती। इजरायल को ईरान पसंद नहीं है, इराक को सीरिया नापंसद है, तुर्की-सीरिया में तनातनी है, इजरायल-तुर्की में भी अनबन है, फिलीस्तीन-इजरायल की दुश्मनी जग-जाहरि है तो कुवैत-इराक में भी नफरत का रिश्ता है। ओमान, जॉर्डन और लेबनान समान रूप से आतंकवाद के शिकार हैं और फिर भी एक-दूसरे की आंखों की किरकिरी बने हुए हैं। जिस धमाके ने बेरु त को तहस-नहस कर दिया वो 2700 टन अमोनियम नाइट्रेट का नतीजा था। इजरायल ने अपने हेफा बंदरगाह पर ऐसा ही 1200 टन अमोनियम नाइट्रेट स्टॉक कर रखा है। विस्फोटक हथियारों का इस तरह का जखीरा दुनिया की शांति के लिए बड़ा खतरा है और यह खतरा मिडिल ईस्ट में जगह-जगह पसरा है। इस गिनती में ईरान को कैसे भूल सकते हैं, जो अपने परमाणु कार्यक्रम के कारण आज दुनिया के लिए उत्तर कोरिया से कम खतरनाक नहीं है। ईरान इस मामले में भी बदनाम है कि वो हिजबुल्लाह को हथियारों की सप्लाई कर उसके जरिए दुनिया भर में आतंक का पैगाम भेजता है।

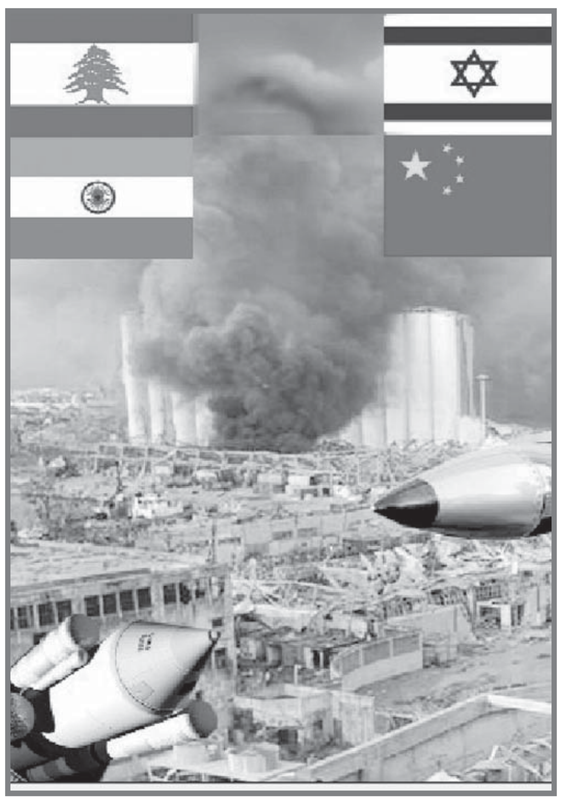

हिजबुल्लाह के ईरान कनेक्शन और लेबनान में उसकी ताकतवर मौजूदगी को अमेरिका अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए खतरा समझता है। इसी लिए उसने जॉर्ज बुश के जमाने की 13 साल पुरानी नीति दोबारा जिंदा करते हुए पिछले सप्ताह ही लेबनान के संदर्भ में एक साल की नेशनल इमरजेंसी लागू कर दी है। यह अजीबोगरीब संयोग है कि जो देश दुनिया और खासकर अमेरिका के लिए खतरा बन जाता है, वो चीन की नजरों में नगीना हो जाता है। उत्तरी कोरिया की ही तरह ईरान भी आजकल चीन की आंखों का तारा बना हुआ है। चीन ने ईरान में निवेश, सुरक्षा और मिलिट्री ट्रेनिंग के साथ-साथ हथियारों की टेक्नोलॉजी के विकास और खुफिया जानकारी साझा करने को लेकर बड़ा समझौता किया है। चीन इसमें अपने दो फायदे देख रहा है। पहला अपनी विस्तारवादी दखल को बढ़ाने के लिए उसे मिडिल ईस्ट जैसा क्षेत्र और ईरान जैसा देश मिल रहा है। दूसरा इस कदम से वो ईरान को आर्थिक प्रतिबंधों में जकड़ने की अमेरिका की योजना को पलीता लगा रहा है। ऐसे वक्त में जब मिडिल ईस्ट में तनाव अपने चरम पर है, तब अमेरिका और चीन की मौजूदगी वहां आग में घी डालने का ही काम कर रही है।

दरअसल, भूमध्य सागर यानी एशिया की पश्चिमी समुद्री सीमा, जो कई मिडिल ईस्ट देशों का किनारा भी है, वहां चल रहे तनाव को अलगाव में नहीं देखा जा सकता। इसके तार एशिया के पूर्वी समुद्री इलाके यानी भूमध्य सागर के दूसरी ओर स्थित प्रशांत महासागर में चल रहे अमेरिका और चीन के झगड़े से भी जुड़ते हैं, जिसका एक हिस्सा दक्षिण चीन सागर भी है। हालांकि यह सागर सात देशों से घिरा हुआ है, लेकिन चीन इस पर अपना एकछत्र राज जमाना चाहता है, जिससे अब वहां भी जंग के हालात बन गए हैं। चीन ने यहां हाल में जोरदार युद्धाभ्यास किया है, जिसमें उसके सुखोई विमान 10 घंटे तक आसमान से रहे। पिछले महीने ही चीन के लड़ाकू विमानों ने रात में लंबी दूरी तक बम बरसाने का अभ्यास किया था। माना जा रहा है कि यह सारी तैयारी दक्षिण चीन सागर में तैनात अमेरिकी बेड़े को निशाना बनाने की है। इसके साथ ही ताइवान पर कब्जा जमाने के लिए उसने युद्धाभ्यास के नाम पर हजारों सैनिक उतार दिए हैं, जिसके जवाब में ताइवान ने भी अपने मरीन कमांडोज की एक कंपनी तैनात कर दी है। यानी दक्षिण चीन सागर में अमेरिका के बाद अब ताइवान भी चीन के आमने-सामने आ गया है। खेमेबाजी साफ है एक तरफ अमेरिका है जिसे चीन, उत्तरी कोरिया, ईरान, पाकिस्तान और तुर्की जैसे देश फूटी आंख नहीं सुहाते हैं, तो दूसरी तरफ चीन है जो अमेरिका ही नहीं भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और ताइवान समेत पूरी दुनिया के लिए खतरा बन चुका है। चीन के खिलाफ एकजुट होने की ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री की गुहार का संदर्भ इसी खतरे से जुड़ता है। इस खतरे को लेकर दुनिया भारत की ओर भी बड़ी उम्मीद से देख रही है। पिछले आधे दशक में जिस तरह दुनिया में भारत का प्रभुत्व बढ़ा है, उसके बाद कई देश भारत से इस तनाव को दूर करने की गुहार लगाते रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत ने इस दिशा में कई सार्थक पहल भी की हैं, लेकिन चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों की पीठ पर वार करने की नीति ने भारत को भी अपनी सुरक्षा पर गंभीरता से विचार करने के लिए मजबूर किया है। मोदी सरकार बेहद मजबूती से यह संदेश स्थापित करने में कामयाब हुई है कि बुद्ध का देश विरोधियों को सबक सिखाने के लिए युद्ध करने से भी पीछे नहीं हटेगा। ऐसे हालात में जब सुलह-सफाई का दौर बीत चुका है, तब तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत का अंदेशा बहुत पुरानी बात लगने लगा है। हकीकत यह है कि युद्ध शुरू हो चुका है। दुनिया बारूद के ढेर पर बैठी है, बेरु त जैसी घटनाएं युद्ध का वार्म अप हैं, रीयल एक्शन के लिए शायद एक बड़े धमाके का इंतजार है।

वैश्विकी

इस्लाम का दुश्मन पाकिस्तान

डॉ. दिलीप चौबे

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने जम्मू-कश्मीर मामले का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की धुन में देश का नया राजनीतिक नक्शा जारी किया। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के पहली वर्षगांठ की पूर्वसंध्या पर इमरान खान ने यह शिगूफा छोड़ा। नक्शे में सियाचीन सहित जम्मू-कश्मीर के भूभाग को शामिल किया गया है। आश्चर्य की बात यह है कि नक्शे में गुजरात के समुद्री क्षेत्र के सरक्रीक और जूनागढ़ को नक्शे में दर्शाया गया है। उल्लेखनीय है कि देश विभाजन के समय निजाम हैदराबाद के साथ ही जूनागढ़ के हुक्मरान ने भी पाकिस्तान का हिस्सा बनने की कोशिश की थी। नक्शे में गौर करने वाली बात यहैहै कि इसमें जम्मू-कश्मीर से चीन के कब्जे वाले भूभाग को नहीं दर्शाया गया है।

पाकिस्तान में भी इस बात को लेकर बहस हो रही है कि इमरान खान ने अपनी ओर से यह नक्शा क्यों जारी किया? प्रमाणित नक्शा जारी करने का अधिकार जियोलॉजिकल सव्रे को होता है। उसी के नक्शे देश के कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में टांगे जाते हैं। वास्तव में 5 अगस्त को काला दिवस घोषित करने के बाद पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में भारत की कथित गैरकानूनी कार्रवाइयों और कथित मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे प्रचारित करना चाहता था। इसी क्रम में पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर के राजमार्ग का नामकरण श्रीनगर हाईवे कर दिया गया। 5 अगस्त को पाकिस्तान की नेशनल एसेंबली की बैठक पाक अधिकृत कश्मीर में हुई। इतना सब करने के बावजूद पाकिस्तान अपनी मंशा में सफल नहीं हुआ। भारतीय उपमहाद्वीप ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए 5 अगस्त से ज्यादा बड़ी खबर अयोध्या में राममंदिर के शिलान्यास की थी। पाकिस्तान की मीडिया में यह खुलकर लिखा जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'प्रचार युद्ध' में इमरान खान को बुरी तरह मात दी।

पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सैन्य संघर्ष और तनाव को लेकर पाकिस्तानी सेना और राजनीतिक तंत्र से जुड़ा एक वर्ग पाकिस्तान के लिए एक अवसर मान रहा था। कुछ लोग यह भी दिवास्वप्न देख रहे थे कि पाकिस्तान के लिए बांग्लादेश का बदला लेने का समय आ गया है। भारत ने पूर्वी लद्दाख की स्थिति के बारे में जैसा कड़ा तेवर अपनाया उससे पाकिस्तान के हौसले पस्त हो गए। भारत और चीन के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व में भी सीमा विवाद को आगे बढ़ने से रोकने के लिए कारगर कदम उठाए। कुल मिलाकर पाकिस्तान के लिए यह मौका नहीं आ पाया कि वह फायदा उठा सके।

5 अगस्त आया और बीत गया। इसे लेकर दुनिया में कोई हलचल नहीं हुई। यह पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका था। उसकी हताशा का एक कारण यह भी है कि इस्लामी देश और इस्लामी संगठन भारत विरोधी एजेंडे को समर्थन नहीं दे रहे हैं। पाकिस्तान इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) में कश्मीर को लेकर इस्लामी देशों द्वारा सामूहिक कार्रवाई करने पर जोर देता रहा है। शक्तिशाली इस्लामी देश सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पाकिस्तान के एजेंडे को कोई तवज्जो नहीं देते। पाकिस्तान खुलकर यह आरोप लगाता रहा है कि व्यापार और आर्थिक हितों के कारण ये इस्लामी देश जम्मू-कश्मीर के आवाम की अनदेखी कर रहे हैं। पाकिस्तान की वजह से इस्लामी देश लगातार अलग-थलग होने के खतरे में पड़ रहा है।

इमरान खान की नई रणनीति यह है कि वह ओआईसी से अलग हटकर अन्य किसी इस्लामी मंच पर जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को आगे बढ़ाए। पिछले दिनों पाकिस्तान, तुर्की और मलेशिया ने एक समानांतर मंच तैयार करने की कोशिश की थी। सऊदी अरब ने इस मुहिम को अपने नेतृत्व के लिए खतरा माना था। यही कारण है कि अगले कदम के रूप में जब तुर्की, मलेशिया, कतर और ईरान ने एक बैठक आयोजित की तो पाकिस्तान ने इसमें भाग नहीं लिया। जहां तक भारत का संबंध है, उसने तुर्की के हाल के रवैये को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय में इस बात पर गौर किया जा रहा है कि पिछले एक वर्ष के दौरान तुर्की कश्मीर सहित भारत के आंतरिक मामलों में दखलंदाजी कर रहा है। पाकिस्तान के राजनीतिक नक्शे का जहां तक सवाल है, विदेश मंत्रालय ने इसे मुंगेरी लाल के हसीन सपने बताकर खारिज कर दिया। वास्तव में इस तरह की बचकाना हरकत जगहंसाई का कारण बनती है।

आलेख

जय श्रीराम, जय जय सियाराम

विभांशु दिव्याल

झल्लन के चेहरे पर चमक थी, नेत्रों में गर्व की दमक थी और जुबान पर रामभक्ति की गमक थी-श्री रामचंद्र कृपालु भज मन हरण भव भय दारूणम..उसने हमें देखते ही पुकारा और अपना अभिवादन मारा, 'जय श्रीराम, जय सियाराम, ददाजू।' हमने उसे हैरत से निहारा और अपना सवाल उचारा, 'आज तुझे क्या हुआ झल्लन, काहे इतनी रामभक्ति उमड़ रही है, काहे ओठों पर राम वंदना घुमड़ रही है?' वह बोला, 'कैसी बात करे हो ददाजू, अवधपुरी में भगवान राम की प्रतिष्ठा हो रही है, पूरे विश्व में राम नाम की जय हो रही है, भक्तों के मन में दीपावली मन रही है, हर भारतीय की छाती गर्व से तन रही है। समूचा भारत राम में रम गया है, मीडिया-सोशल मीडिया राममय हो गया है। भारत में नवजागरण हो रहा है, नयी चेतना का स्फुरण हो रहा है। हमारे प्रधान राम के गुणगान में जो बताए हैं वो हम अच्छी तरह जान लिये हैं, अब हम भी राम रंग में रंगे रहेंगे ये मन में ठान लिये हैं।' हमने कहा, 'प्रधान ने ऐसा क्या बता दिया जो अब तक नहीं बताया गया था, उन्होंने अपने प्रवचन में कथा का कौन-सा अंश बांच दिया जो अब तक नहीं सुनाया गया था?'

झल्लन बोला, 'ददाजू, जब भी इतिहास अंगड़ाई लेता है तब आप न जाने कहां खो जाते हो, इतिहास के साक्षी बनने के बजाय चद्दर तानकर सो जाते हो। हमारे प्रधान ने बता दिया है कि भव्य राम मंदिर के शिलान्यास के साथ नये समृद्ध और शक्तिशाली भारत का भी शिलान्यास हो गया है, हमारे सुनहरे भविष्य का भी विन्यास हो गया है। अब देखिए, हम कहां से कहां पहुंच जाएंगे और दुनिया वाले हमें टकटकी लगाकर देखते रह जाएंगे और जो आज हमारी ओर टेढ़ी नजरों से देखते हैं वे हमारे चरणों में गिर जाएंगे। अब जमकर परिश्रम होगा, विराट संकल्प शक्ति का उदय होगा और एक आत्मविासी और आत्मनिर्भर भारत का अभ्युदय होगा।' हमने कहा, 'सुन झल्लन, अगर ऐसा होगा तो बहुत ही अच्छा होगा, इससे जनता का भला होगा तो साथ में हमारा भी भला होगा और यह देखकर हमारा मन भी बहुत प्रसन्न होगा। पर ये बता, तेरे नये भारत के अभ्युदय से राम मंदिर का क्या नाता है, परिश्रम और संकल्प तो कभी भी हो सकते हैं, इनके बीच राम मंदिर कहां आता है?'

झल्लन बोला, 'यहीं तो आप मात खा जाते हो ददाजू, बिना मंदिर के कुछ होना होता तो अब तक कुछ-न-कुछ हो गया होता। अब जब रामलला अपने ठिये पर आ गये हैं तो जो अच्छा होना होगा वो अब होगा। भक्तों के राममय होते ही समूचा भारत परिश्रममय भी हो जाएगा, संकल्प शक्ति भी ले आएगा और जिस दिन राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा उसी दिन भारत खूंखार आत्मविासी हो जाएगा और खूंखारता के साथ आत्मनिर्भर भी हो जाएगा। और हमारे प्रधान ने कहा है न कि 'भय बिन होय न प्रीति', तो उसी दिन भारत इतना शक्तिशाली हो जाएगा कि आसपास के सारे धुरंधरों का सर भय के मारे प्रीति में झुक जाएगा।' हमने कहा, 'हमें नहीं लगता कि कोई कुछ सार्थक कर पाएगा, तेरे रामलला का हल्ला सिर्फ हल्ला होकर रह जाएगा।'

झल्लन बोला, 'क्या बात करते हो ददाजू, जरा अपनी आंखों का ढक्कन हटा लीजिए, आसपास थोड़ी नजर घुमा लीजिए। जो चमत्कार हो रहा है वह आपको साफ-साफ दिख जाएगा, आपके मन का हर संदेह मिट जाएगा। देखिए, हम आगे बढ़ना शुरू हो गये हैं, हमारा देश आगे बढ़ चला है और इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ हमारा प्यारा रामलला है।'

हमने कहा, 'देख झल्लन, देश तब आगे बढ़ता है, तब शक्तिशाली होता है जब देश की सारी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त हों, सब ईमानदारी और निष्ठा से अपना कार्य करते हों, नेतागण चोर-स्वार्थी-बिकाऊ और घरभरू न होकर जनहित का ध्यान रखते हों, अधिकारी भ्रष्टाचार और नेताओं की चपरास छोड़कर अपने कर्तव्य पर टिकते हों, पुलिसवाले अपराधियों से गलबहियां न कर पीड़ित के साथ दोस्ती निभाते हों, व्यापारी कानूनी व्यवस्था को रखैल बनाकर काला धन न कमाते हों, पत्रकार सरकार और पूंजीपतियों की दलाली छोड़कर जनसरोकारी मुद्दे उठाते हों, आम लोग लंपटई में लिप्त न रहकर अनुशासनबद्ध नागरिक का व्यवहार निभाते हों और देश के योजनाकार अपने भविष्य के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य के लिए दिमाग खपाते हों। अब तू बता, यह काम कैसे संभव बनाया जाएगा, तेरा प्यारा रामलला इसमें क्या कर पाएगा?'

झल्लन बमकते हुए बोला, 'ददाजू, प्रधानजी की बात नहीं सुनते हो और उलजुलूल सवाल करते हो। अरे, कलयुग में काम की जिम्मेदारी हनुमानजी की है, रामलला के साथ परम भक्त हनुमान भी आएंगे और देख लेना पलक झपकते ही सब दुरुस्त कर जाएंगे।'

'पर झल्लन..मन में शंका है कि..हम बात पूरी भी न कर पाये कि झल्लन मियां हम पर झल्लाए, 'आप जैसे अनास्थावान बुद्धिजीवियों का यही तो रोना है कि आप हर शुभ काम में विघ्न डालते हैं, फालतू के खोट निकालते हैं, खुद तो कुछ कर नहीं पाते और जो करते हैं उन पर कीचड़ उछालते हैं। हमारी बात मानिए, सारी अगर-मगर परे हटाइए, राम में लौ लगाइए, चैन से रहना हैं तो चुपचाप राममय हो जाइए।'

जुलाई में कोयला आयात 43 प्रतिशत घटकर 1.11 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात जुलाई में 43.2 प्रतिशत घटकर 1.11 करोड़ टन रह गया। खान के पास, संयंत्रों और बंदरगाहों पर कोयले का काफी भंडार पड़ा है, जिसकी वजह से आयात में गिरावट आई है। एमजंक्शन सर्विसेज ने यह जानकारी दी है। ये आंकड़े जहाजों की स्थिति तथा पोत-परिवहन कंपनियों से मिले आंकड़ों पर आधारित हैं। जुलाई, 2019 में कोयले का आयात 1.96 करोड़ टन रहा था। एमजंक्शन टाटा स्टील और सेल का संयुक्त उद्यम है। यह एक बी2बी (व्यवसाय से व्यवसाय) ई-कॉमर्स कंपनी है, जो कोयला और इस्पात पर शोध रिपोर्ट प्रकाशित करती है। एमजंक्शन के अनुसार जुलाई, 2020 मे कोयले का आयात 1.11 करोड़ टन (अस्थायी) रहा। जुलाई, 2019 में कोयले ओर कोक का आयात 1.96 करोड़ टन रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह अप्रैल-जुलाई, 2020 के दौरान कुल कोयला आयात 5.72 करोड़ टन रहा। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के आंकड़े 8.91 करोड़ टन से 35.76 प्रतिशत कम है। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनय वर्मा ने कोयला आयात के मौजूदा रुख पर कहा कोयला खानों, संयंत्रों तथा बंदरगाहों पर कोयले के भारी भंडार की वजह से आयात मांग कमजोर है। बाजार भागीदार 'देखो और इंतजार करो' की नीति अपना रहे हैं। निकट भविष्य में हमें आयात की मात्रा में कोई बड़ा बदलाव आने की संभावना नहीं दिखती। अप्रैल-जुलाई, 2020 के दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 3.88 करोड़ टन पर आ गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 6.09 करोड़ टन रहा था। इसी तरह कोकिंग कोयले का आयात घटकर 1.06 करोड़ टन रहा गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1.77 करोड़ टन रहा था।

गिरीश चंद्र मुर्मू ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पदभार संभाला

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपराज्यपाल गिरीश चंद्र मुर्मू ने शनिवार को देश के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) का पद संभाल लिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी है। इससे पहले सुबह राष्ट्रपति भवन में मुर्मू ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान के अनुसार राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मुर्मू को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी । पूर्व नौकरशाह मुर्मू गुजरात कैडर के 1985 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। नए कैग के रूप में उनका कार्यकाल 20 नवंबर, 2024 तक है। उन्होंने शुक्रवार को सेवानिवृत्त हुए राजीव महर्षि का स्थान लिया है। कैग एक संवैधानिक पद है जिसपर केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के खातों की लेखापरीक्षा करने की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कैग की लेखापरीक्षा रिपोर्टों को संसद और राज्य विधानसभाओं में पेश किया जाता है। मुर्मू को राष्ट्रपति भवन में सुबह पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा राजीव महर्षि भी मौजूद थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुर्मू को कैग का पद संभालने की बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, ''जीसी मुर्मू को अगले कैग का शपथ लेने की बधाई। मेरी शुभकामनाएं।'' जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि मुर्मू को ऐसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी देकर प्रधानमंत्री ने जनजातीय समुदाय के प्रति सम्मान प्रदर्शित किया है। राष्ट्रपति भवन में शपथ लेने के बाद मुर्मू कैग के कार्यालय पहुंचे। वहां उनका स्वागत भारतीय अंकेक्षण एवं लेखा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। संघ शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का उपराज्यपाल बनने से पहले मुर्मू व्यय विभाग में संयुक्त सचिव, वित्तीय सेवा और राजस्व विभाग में अतिरिक्त सचिव रह चुके हैं। बाद में वह व्यय विभाग में विशेष सचिव रहे। उसके बाद उन्हें विभाग का सचिव बनाया गया। केंद्र में अपने कार्यकाल से पहले मुर्मू गुजरात में महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। बयान में कहा गया है कि उनके पास प्रशासनिक, आर्थिक और बुनियादी ढांचा क्षेत्र का गहन अनुभव है। मुर्मू उत्कल विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर हैं। उनके पास बर्मिंघम विश्वविद्यालय से एमबीए की डिग्री हैं। उनका जन्म 21 नवंबर, 1959 को ओड़िशा के मयूरभंज जिले में हुआ था।

ग्रॉफर्स की किराना सेल शुरू, कंपनी लोकल पार्टनर को 50 करोड़ रुपये का समर्थन देगी

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक समर्थित ऑनलाइन किराना विक्रेता ग्रॉफर्स ने नौ दिन की 'सेल' तथा स्थानीय स्तर पर उत्पादों का विनिर्माण करने वाले भागीदारों के लिए 50 करोड़ रुपये की कार्यशील पूंजी और अग्रिम भुगतान प्रणाली की घोषणा की है। ग्रॉफर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं सह-संस्थापक अलबिंदर ढींढसा ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य भागीदारों द्वारा विनिर्मित नौ करोड़ उत्पाद बेचने का है। इनमें से 5.5 करोड़ उत्पाद स्थानीय स्तर पर विनिर्मित होंगे। उन्होंने कहा ग्रैंड ऑरेंज बैग डेज (जीओबीडी) के ताजा संस्करण के दौरान हमारा लक्ष्य छोटे विनिर्माण भागीदारों, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) की मदद करने का है, जिससे पटरी पर लौटा जा सके।

इससे हम मिलकर देशभर में ग्राहकों को सेवाएं दे पाएंगे। कंपनी ने शनिवार को शुरू हुए जीओबीडी के लिए 800 एमएसएमई से भागीदारी की है। ग्रॉफर्स ने बयान में कहा, 'कंपनी पहले ही 200 एमएसएमई के साथ काम कर रही है। जीओबीडी 4.0 सेल के तहत उसने 600 नए एमएसएमई को जोड़ा है।'

जून तिमाही में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या 18 लाख बढ़ी

नयी दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग ने जून तिमाही में 18 लाख निवेशक खाते जोड़े हैं। इस तरह उतार-चढ़ाव वाली बाजार परिस्थितियों के बावजूद फोलियो की कुल संख्या बढ़कर 9.15 करोड़ हो गई है। ग्रो के सह-संस्थापक हर्ष जैन ने कहा कि फोलियो की संख्या में वृद्धि में डिजिटल मंचों का विशेष योगदान रहा है, विशेषरूप से लॉकडाउन के दौरान। फोलियो वह संख्या होती है, जो व्यक्तिगत निवेशक खातों को दी जाती है। एक निवेशक के कई फोलियो हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, जून तिमाही में फोलियो की संख्या 17.96 लाख बढ़कर 9,15,42,092 हो गई। मार्च तिमाही के अंत तक यह आंकड़ा 8,97,46,051 था। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक (प्रबंधक शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''बाजार में मार्च में जबरदस्त गिरावट आई। इससे निवेशकों को शेयर बाजारों में निवेश का अच्छा अवसर मिला। ऐसे में यह संभव है कि कई नए निवेशकों को यह शेयर बाजारों में म्यूचुअल फंड के जरिये निवेश का अच्छा अवसर लगा हो।'' उन्होंने कहा कि इसका संकेत अप्रैल में फोलियो की संख्या में भारी बढ़ोतरी से मिलता है। इसके अलावा मई और जून में भी फोलियो की संख्या में इजाफा हुआ।

ई-कॉमर्स कंपनियों को पड़सकती है शहरों में छाटे भंडार गृहों की जरूरत

नयी दिल्ली। ई कॉमर्स कंपनियों के एक ही दिन में ग्राहकों को खाद्य और किराने के सामान की डिलीवरी सुनिश्चित करने के लक्ष्य को देखते हुए शहर की सीमाओं में छोटे छोटे गोदामों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। परिसंपत्ति सलाहकार कोलियर्स इंटरनेशनल ने कहा कि यह मांग 5000-10,000 वर्ग फुट के आकार के भंडारण गृहों के लिए हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''ई-कॉमर्स कंपनियां खाद्य और किराने की वस्तुओं के लिए ई-कॉमर्स पर अधिक निर्भरता रखते हुए महामारी प्रभावित लॉकडाउन के साथ उसी दिन डिलीवरी पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।'' सलाहकार ने कहा कि ई-कॉमर्स कंपनियां अब दक्षता के लिए अपने ग्राहकों के स्थानों के करीब इन्वेंट्री का बड़ा हिस्सा स्टॉक करने और डिलीवरी पर उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने की कोशिश कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, ''अगले 12 महीनों में, हम मानते हैं कि इन-सिटी वेयरहाउस ट्रैक्शन हासिल करेंगे, और छोटे डिस्ट्रीब्यूशन हब के रूप में इस्तेमाल में आयेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई और एनसीआर जैसे प्रमुख मांग वाले शहरों में इच्छुक लोग 5,000-10,000 वर्ग अनारॉक के अध्यक्ष अनुज पुरी ने कहा कि कोविड-19 महामारी से पहले ही भारत में ई-कॉमर्स फल-फूल रहा था।

कोरोना के बीच खेती पर मंडराया खतरा, केंद्र ने राज्यों और इंडस्ट्री को किया सतर्क

बिजनेस डेस्क।

केंद्र ने राज्यों, इंडस्ट्री और अनुसंधान संस्थानों को संदिग्ध सीड पार्सल्स के बारे में सतर्क रहने को कहा है। इनमें इस तरह के बीज हो सकते हैं जो देश की जैव विविधता के लिए खतरा हो सकते हैं। कृषि मंत्रालय ने इस बारे में जारी निर्देश में कहा है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान दुनिया के कई देशों में इस तरह के संदिग्ध बीजों के हजारों पार्सल भेजे गए हैं। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, जापान और कुछ यूरोपीय देशों में इस तरह की घटनाएं सामने आई हैं। ये पार्सल अज्ञात स्रोतों से भेजे जा रहे हैं और इनमें भ्रामक लेबल लगाए जा रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के कृषि विभाग और एग्रीकल्चल स्मगलिंग बताया है। उसका भी कहना है कि संदिग्ध सीड पार्सल्स में ऐसे बीज या पैथोजन हो सकते हैं जो पर्यावरण, खेती और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। इस तरह के सीड पार्सल देश की जैव विविधता के लिए खतरा हो सकते हैं। इसलिए सभी राज्यों के कृषि विभागों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, सीड एसोसिएशनों, स्टेट सीड सर्टिफिकेशन एजेंसियों, सीड कॉरपोरेशनों और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और उसके संस्थानों को ऐसे संदिग्ध पार्सलों से सावधान रहने की सलाह दी जाती है। कृषि मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, हम पहले ही चीन से पैदा हुई कोविड-19 महामारी से जूझ रहे हैं। अब अगर बीजों के जरिए कोई महामारी आती है तो फिर इसे संभालना मुश्किल हो जाएगा। हमें अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है। कृषि मंत्रालय के निर्देश पर टिप्पणी करते हुए फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री इन इंडिया के डायरेक्टर जनरल राम कौदिन्य ने कहा कि अभी यह केवल अलर्ट है कि बीजों के जरिए प्लांट डिसीजेज को फैलाया जा सकता है। इसे सीड टेरोरिज्म कहना ठीक नहीं हैं क्योंकि बीज के जरिए बीमारी फैलाने की सीमाएं हैं लेकिन फिर भी खतरा तो है। उन्होंने कहा कि ऐसे पार्सल्स के जरिए आने वाले बीज खरपतवार हो सकते हैं जो भारत के मूल पेड़-पौधों के लिए खतरनाक हो सकते हैं।

वृहद आंकड़ों, तिमाही नतीजों, वैश्विक संकेतों से तय होगी बाजार की दिशा

नयी दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा निवेशकों की निगाह कोविड-19 महामारी से संबंधित ताजा घटनाक्रमों तथा संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी पर रहेगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''अमेरिका-चीन के बीच तनाव बढ़ने और कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी की वजह से अनिश्चितता बढ़ रही है। टीके के मोर्चे पर किसी सकारात्मक घटनाक्रम से अनिश्चितता घटेगी। ऐसे में शेयर बाजारों में अभी उतार-चढ़ाव रहेगा। तिमाही नतीजों का सीजन होने की वजह से कुछ शेयरों में गतिविधियां देखने को मिलेंगी।'' पिछले सप्ताह रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद अब सभी की निगाहें मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर हैं। रिजर्व बैंक ने समीक्षा में रेपो दर में बदलाव नहीं किया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मुद्रास्फीति ऊंचे स्तर पर रह सकती है, लेकिन वित्त वर्ष की दूसरी छमाही से यह नीचे आनी शुरू होगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''आगे चलकर वैश्विक संकेत तथा तिमाही नतीजे बाजार का रुख तय करेंगे।

समस्या कृषि उत्पादन की नहीं, कटाई बाद फसल प्रबंधन की है : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि आज देश में कृषि उत्पादन या उपज की कोई समस्या नहीं है। समस्या फसल की कटाई के बाद उसके प्रबंधन को लेकर है। मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये 'कृषि अवसंरचना कोष' के तहत एक लाख करोड़ रुपये की वित्तपोषण सुविधा का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस कोष से फसल की कटाई के बाद उसके प्रबंधन की समस्या को हल करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत 8.5 करोड़ से अधिक किसानों को 17,100 करोड़ रुपये की राशि भी जारी की। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी इस कार्यक्रम में शामिल थे। मंत्रिमंडल ने एक लाख करोड़ रुपये के 'कृषि अवसंरचना कोष' के तहत वित्तपोषण सुविधा के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना को मंजूरी दे दी है। यह कोष 'कटाई बाद फसल प्रबंधन अवसंरचना' और 'सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों' जैसे कि कोल्ड स्टोरेज, संग्रह केंद्रों, प्रसंस्करण इकाइयों, इत यादि के सृजन को उत्प्रेरित करेगा। सरकार का मानना है कि ये परिसंपत्तियां किसानों को अपनी उपज का अधिक मूल्य प्राप्त करने में सक्षम करेंगी। दरअसल, इन परिसंपत्तियों की बदौलत किसान अपनी उपज का भंडारण करने एवं ऊंचे मूल्यों पर बिक्री करने, बर्बादी को कम करने, और प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन में वृद्धि करने में समर्थ हो सकेंगे। किसानों को संबोधित करते हुए मोदी ने उनकी जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से पहले और लॉकडाउन के दौरान किसानों ने काफी मेहनत की है। यही वजह है कि आज देश में खाद्य सामग्री की पर्याप्त आपूर्ति सुगमता से हो रही है। उन्होंने किसानों से कहा कि वे इस महामारी के दौरान मास्क पहनें और सामाजिक दूरी का पालन करें। मोदी ने कहा कि कृषि से संबंधित हालिया दो अध्यादेशों से किसानों को मंडी के बाहर अपनी उपज बेचने के लिए नए बाजार अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही प्रधानमंत्री ने किसान रेल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि किसान रेल की वजह से अब किसानों को अपनी उपज को औने-पौने दाम पर बेचने के लिए मजबूर नहीं होनी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का नेटवर्क बना रही है। इसके तहत 350 कृषि स्टार्टअप का वित्तपोषण किया जाएगा। मोदी ने पीएम-किसान की छठी किस्त के तहत 8.5 करोड़ से भी अधिक किसानों को 17,100 करोड़ रुपये की राशि जारी की। इसके तहत किसानों को हर साल दो-दो हजार रुपये की तीन किस्तों में कुल छह हजार रुपये की सहायता दी जाती है। यह राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में डाली जाती है। दिसंबर, 2018 को शुरू की गई पीएम-किसान योजना के तहत 9.9 करोड़ से भी अधिक किसानों को 75,000 करोड़ रुपये से ज यादा का प्रत्यक्ष नकद लाभ प्रदान किया गया है।

वृद्धि में सुधार के साथ भारत को पड़ सकती है मांग पक्ष में प्रोत्साहन की जरूरतः पनगढ़िया

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने शनिवार को कहा कि आर्थिक वृद्धि में सुधार के साथ भारत को अब मांग पक्ष के लिए कुछ प्रोत्साहन की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि आयात लाइसेंसिंग लागू करना विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के उन प्रावधानों का उल्लंघन होगा, जिनपर भारत ने हस्ताक्षर किए हैं। पनगढ़िया ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 'इंडिया75 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''यदि अर्थव्यवस्था खुलने के बाद भंडार तेजी से जमा होने लगे तो यह इस बात का स्पष्ट संकेत होगा कि मांग में सुस्ती की समस्या है। मुझे लगता है कि ऐसे में प्रोत्साहन काफी उपयोगी होगा। पनगढ़िया ने कहा कि हस्तक्षेप के मौजूदा स्तर के बाद भी ऋण से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुपात इस साल के अंत तक कम से कम 72 प्रतिशत से बढ़कर 85 प्रतिशत पर पहुंच जाने वाला है। उन्होंने कहा, ''हमें अर्थव्यवस्था के उबरने की शुरुआत के साथ मांग पक्ष में शायद थोड़े प्रोत्साहन की जरूरत पड़ने वाली है। मई में सरकार ने कोरोना वायरस और बाद में लगाए गए लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए 21 लाख करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी।

जोमैटो की नई पहल, महिला कर्मचारियों को देगी 10 दिन की पीरियड लीव

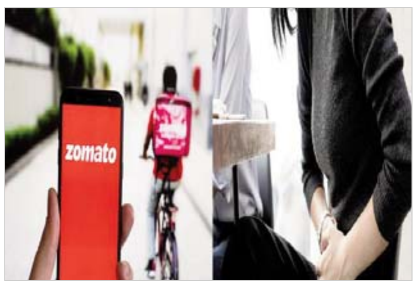

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलिवरी कंपनी जोमैटो अब महिला और ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को माहवारी (पीरियड) के कारण छुट्टी देने का ऐलान किया है। कंपनी में अब महिला और ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को एक साल में 10 दिन का पीरियड लीव मिलेगा। कंपनी ने इस नियम को पीरियड पॉलिसी का नाम दिया है। जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने शनिवार को अपने कर्मचारियों के नाम एक ईमेल भेजा है। इसमें कहा गया है कि पीरियड की अवधि की छुट्टी को किसी भी शर्म या कलंक के साथ जोड़ कर न देखें और इस दौरान कर्मचारी छुट्टी लेने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने बताया कि जोमैटो में हम विश्वास, सच्चाई और स्वीकृति की संस्कृति को बढावा देना चाहते हैं। आज से जोमैटो में सभी महिलाएं साथ ही ट्रांसजेंडर एम्प्लॉयज 10 दिनों की अवधि के अवकाश का लाभ उठा सकती हैं। महिला सहकर्मी की पीरियड लीव पर शर्मिंदा न हो पुरुष कर्मचारी गोयल ने कहा कि जोमैटो समझती है कि महिला और पुरुष अलग-अलग बायोलॉजिकल रिएलिटी के साथ पैदा होते हैं। यह जीवन का एक हिस्सा है। यह सुनिश्चित करना हमारा काम है कि हम अपनी जरूरतों के लिए जगह बनाएं। इतना ही नहीं गोयल ने अपने पुरुष कर्मचारियों के लिए लिखा कि उन्हें कतई शर्मिंदा नहीं होना चाहिए जब एक महिला सहकर्मी कहती है कि वे पीरियड लीव पर है। बता दें कि इंग्लैंड के शहर ब्रिस्टल में महिलाओं को पीरियड के दौरान ऑफिस से छुट्टी दी जाती है। इंग्लैंड के इस नियम को लेकर भारत में भी काफी बहस हुई थी। अब सोशल मीडिया पर कंपनी की इस पहल की तारीफ हो रही है। कंपनी ने कहा है कि भारत में लाखों महिलाओं और लड़कियों में आज भी मासिक धर्म के बारे में जागरूकता की कमी है। इसके कारण भेदभाव और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ऑफ द रिकॉर्डः रेलवे पर पैंशन की 53,000 करोड़ की देनदारी, कंगाली में केंद्र से गुहार

नई दिल्ली। केंद्र इस समय कठिन आर्थिक स्थिति से जूझ रहा है। केंद्र को मौजूदा वित्तीय वर्ष में कम से कम 7 से 10 लाख करोड़ रुपए अतिरिक्त जुटाने हैं। इसके लिए उसे नए तरीके अपनाने होंगे। हालात ये हैं कि केंद्र के लिए मंत्रालयों, विभागों, निगमों, सार्वजनिक उपक्रमों, यहां तक कि बैंकों के लिए वेतन तथा हजारों सप्लायरों से ली गई सप्लाई के बिल अदा करने में परेशानी आ रही है। इधर, सबसे बुरे हालात से गुजर रही रेलवे ने सरकार को 'बचाओ-बचाओ' संदेश भेजा है क्योंकि वह इस साल का पैंशन खर्च उठाने की स्थिति में नहीं है तथा उसने वित्त मंत्रालय से मदद की गुहार लगाई है। रेलवे पर वित्तीय वर्ष 2020-21 में 53,000 करोड़ की पैंशन की देनदारी है और उसने कहा कि वित्त मंत्रालय इस साल उसकी यह जिम्मेदारी उठा ले। रेलवे में इस समय 13 लाख कर्मचारी तथा 15 लाख पैंशनर्स हैं तथा इनका वार्षिक खर्च 50,000 करोड़ से ज्यादा है। रेलवे के बड़े अधिकारियों ने प्रधानमंत्री कार्यालय से रेलवे की बदहाल वित्तीय स्थिति तथा उन महत्वाकांक्षी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया था जो अभी शुरू होने वाली हैं। से रेलवे की बदहाल वित्तीय स्थिति तथा उन महत्वाकांक्षी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया था जो अभी शुरू होने वाली हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय अन्य केंद्रीय मंत्रालयों से भी इसी तरह की बैठक करता है परंतु सबसे अधिक गंभीर हालात रेलवे तथा सड़क मंत्रालय के हैं। केंद्र अगले पांच सालों में रेलवे का कायाकल्प करने के लिए बड़ी योजना पर काम कर रहा है, ऐसे में रेलवे की मौजूदा वित्तीय बदहाली एक बड़ा झटका है। रेलवे ने 2024 तक नैशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एन.आई.पी.) योजना में 102 लाख करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बना रखी है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय को रेलवे के हालात से अवगत करा दिया गया है कि वह अपने फंड के लिए 53,000 करोड़ की राशि का बंदोबस्त नहीं कर सकती है। रेलवे के पैंशन फंड के क्लोजिंग बैलेंस में 28,000 करोड़ रुपए की पहले से ही कमी दर्ज है।

जाहिर है जब रेलवे पर इतनी देनदारियां हैं तो वह आंतरिक स्तर पर संसाधन कैसे जुटा पाएगी? तो वह आंतरिक स्तर पर संसाधन कैसे जुटा पाएगी? इससे उसके अत्यंत जरूरी प्रोजैक्टों पर भी असर पड़ना तय है। बहरहाल, रेलवे केंद्र की ओर देख रही है।

दुनिया को भरोसेमंद भागीदार की तलाश, जहां कानून का शासन हो :पीयूष गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि दुनिया को आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में ऐसे भरोसेमंद भागीदारों की जरूरत है, जहां लोकतंत्र और कानून का शासन हो तथा पारदर्शिता बरती जाती हो। भारत इन कसौटियों को पूरा करते हुए इस मामले में एक महत्वपूर्ण भागीदार की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत को बड़े पैमाने पर विनिर्माण की बचत और ऊंची उत्पादकता के साथ दुनिया के सामने प्रतिस्पर्धी मूल्य पर अच्छे उत्पाद के साथ खड़ा होना है लेकिन इसमें सरकारी सब्सिडी की बैसाखी का सहारा नहीं होना चाहिए। गोयल ने उद्योग मंडल सीआईआई द्वारा आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी में कहा, 'दुनिया को भरोसेमंद भागीदार की तलाश है, जहां कानून का शासन हो, जिनकी प्रणाली पारदर्शी हो, जहां अदालत में अपील की व्यवस्था हो, जहां जीवंत मीडिया, मजबूत न्यायपालिका और लोकतांत्रिक परंपरा हो।' उन्होंने कहा कि भारत इन सब बातों को पूरा करता है और विश्व आपूर्ति श्रृंखला का एक विश्वसनीय भागीदार हो सकता है। कोविड-19 से प्रभावित देश के निर्यात क्षेत्र के काम के बारे में उन्होंने कहा कि बाहर भेजी जा रही खेप के आंकड़ों से स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार के संकेत मिल रहे है। निर्यात पिछले महीने पिछले साल जुलाई के 91 प्रतिशत तक पहुंच गया था। उन्होंने कहा, 'वास्तव में अगस्त के 10 दिन में निर्यात का स्तर पिछले साल इसी समय के 95 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। जुलाई के आखिरी दस दिनों का निर्यात एक साल पहले की तुलना में 10 प्रतिशत बढ़ा था।' गोयल ने कहा कि यह बात उन विश्लेषकों के कान में झंकार पैदा करेगी जो इस बात को लेकर परेशान हैं कि

हालात में सुधार का रास्ता अंग्रेजी के वी अक्षर (बहुत शीघ्रता के साथ) जैसा होगा या यू अक्षर के आकार (विलंबित) का होगा। लेकिन उन्होंने आगाह किया कि हमें छोटी अवधि की इन उपलब्धियों पर इठलाने की जरूरत नहीं है, इसको मजबूती से स्थापित करने के लिए बड़ी मेहनत की जरूरत है।

कृषि सेक्टर में मशीनीकरण को बढ़ावा देने का प्लान, केन्द्र ने राज्यों को जारी किए 553 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। केंद्र ने कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण को बढ़ावा देने की योजना के तहत राज्यों को 553 करोड़ रुपये जारी किए हैं। कृषि मशीनीकरण पर उप-मिशन (एसएमएएम) अप्रैल 2014 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए कृषि मशीनीकरण की समावेशी विकास करना था। एक सरकारी बयान में कहा गया, 'वर्ष 2020-21 में, इस योजना के लिए 1,033 करोड़ रुपये का बजट प्रदान किया गया है, जिसमें से 553 करोड़ रुपये राज्य सरकारों को जारी किए गए हैं।' कृषि मशीनीकरण समय पर खेत को तैयार करने के कामकाज को समय में निपटाने और इसमें लगने वाले समय में कटौती करने के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है और लागतों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करता है। मशीनीकरण प्राकृतिक संसाधनों की उत्पादकता को भी बढ़ाता है और विभिन्न कृषि कार्यों से बुरी प्रथाओं को कम करता है। कृषि मंत्रालय ने बताया कि धान के पुआल को जलाना देश के उत्तरी क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं में से एक है। फसल अवशेष जलाने की प्रथा से इस क्षेत्र के किसानों को रोकने के उद्देश्य से, फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) की योजना वर्ष 2018 में शुरू की गई थी, जिसमें किसानों को 'सीएचसी' (कस्टम हायरिंग सेंटर) की स्थापना के माध्यम से फसल अवशेषों के उसी स्थान पर प्रबंधन करने के लिए मशीनरी प्रदान की जाती है। अलग-अलग किसानों को मशीनरी की खरीद के लिए सब्सिडी भी प्रदान की जाती है। इसके तहत वर्ष 2018-19 और वर्ष 2019-20 में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को कुल 1,178.47 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। बयान में कहा गया है वर्ष 2020-21 में, इस योजना के लिए बजट में और 548.20 करोड़ रुपये समय से पहले राज्यों को जारी कर दिये गए इस काम को पहले से पूरा करने के लिए तैयार हों।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्पोर्टस हलचल

विराट कोहली आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार, मसूद और वोक्स की लंबी छलांग

दुबई। (एजेंसी)

भारतीय कप्तान विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा रविवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर काबिज हैं जबकि इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच शनिवार को खत्म हुए पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिस वोक्स और शान मसूद ने लंबी छलांग लगाई है।

बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ, दूसरे स्थान पर कोहली और तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन पहले की तरह बने हुए हैं। शीर्ष 10 बल्लेबाजों में चेतेश्वर पुजारा (8वें) और अजिंक्य रहाणे (10वें) पहले की तरह अपनी रैंकिग पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम छठे जबकि इंग्लैंड के कप्तान जो रूट नौवें स्थान पर कायम हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में शून्य और 9 रन की पारी खेलने वाले बेन स्टोक्स चौथे से खिसक कर सातवें पायदान पर पहुंच गए। टेस्ट मैच की पहली पारी में 156 रन बनाने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज मसूद 14 स्थान के सुधार के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ 19वीं रैंकिंग पर पहुंच गए।

मैच की दूसरी पारी में नाबाद 84 रन बनाने के साथ छठे विकेट के लिए जोस बटलर के साथ 139 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को जीत दिलाने वाले हरफनमौला क्रिस वोक्स बल्लेबाजों की सूची में 18 स्थान के सुधार के साथ 78वीं रैंकिंग पर आ गए। वह हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में सातवें पायदान पर पहुंच गए।

बटलर 38 और 75 रन की पारी खेल रैंकिंग में 44वें से 30वें स्थान पर आ गए। पहली पारी में 62 रन बनाने वाले ओली पोप करियर के सर्वश्रेष्ठ 36वें पायदान पर पहुंच गए।

गेंदबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के लेग स्पिनर यासिर शाह और शादाब खान अपनी स्थिति सुधारने में सफल रहे। मैच में 8 विकेट लेने वाले यासिर शाह 2 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें जबकि शादाब करियर के सर्वश्रेष्ठ 69वें स्थान पर पहुंच गए।

इंग्लैंड के गेंदबाजों में स्टुअर्ट ब्रॉड तीसरे स्थान पर कायम है। मैच में छह विकेट लेने से हालांकि उनके और दूसरे स्थान पर काबिज न्यूजीलैंड के नील वैगनर के बीच सिर्फ सात अंक का फासला रह गया है। जोफ्रा आर्चर भी दो स्थान के सुधार के साथ 37वें पायदान पर पहुंच गए।

इस रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस शीर्ष पर बने हुए है जबकि भारत के जसप्रीत बुमराह आठवें स्थान पर है।हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पांच स्थानों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। स्टोक्स शीर्ष पर है। भारत के रविन्द्र जडेजा तीसरे और आर अश्विन पांचवें स्थान पर हैं।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की तालिका में इंग्लैंड ने तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। इंग्लैंड के नाम 266 अंक हो गए हैं जो दूसरे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया से 30 अंक कम हैं। भारत 360 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि न्यूजीलैंड (180 अंक) चौथे और पाकिस्तान (140 अंक) पांचवें स्थान पर है।

ब्रेट ली ने बताया, कौन सी आईपीएल टीम इस साल जीत सकती है खिताब

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि किंग्स इलेवन पंजाब के मुख्य कोच अनिल कुंबले का ज्ञान और अनुभव टीम के लिए मददगार साबित होगा। कुंबले को पंजाब ने अपना मुख्य कोच बनाया है और ली का मानना है कि कुंबले का अनुभव टीम के काम आ सकता है। आईपीएल के 13वें सत्र का आयोजन 19 सितंबर से 10 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र अमीरात (यूएई) में होना है। इस दौरान ली ने बताया कि टीम इस साल आईपीएल खिताब अपने नाम कर सकती है।

स्टार स्पोटर्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में ली ने कहा कि कुंबले जैसा कोच होने से निश्चित तौर पर टीम काफी मूल्यवान होगी। उनकी जानकारी, उनका अनुभव निश्चित तौर पर टीम की मदद करेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब को जीतना होगा, वह एक अच्छी टीम है और उनके पास बेहतरीन खिलाड़ी है और वह खिताब जीतने के काफी करीब है। लेकिन पंजाब की टीम अभी तक अपनी लय नहीं पकड़ सकी है। मैं इसका इंतजार कर रहा हूं कि वो खिताब जीतें।यह टीम खेलने के लिए काफी अच्छी है।

भारतीय टीम के पूर्व कोच कुंबल को माइक हेसन के जाने के बाद पंजाब का कोच बनाया गया है। हेसन इस साल रॉयस चैलेंजर्स बेंगलोर के कोच हैं। कुंबले इससे पहले बेंगलोर के सपोर्ट स्टाफ और मुंबई इंडियंस के मेंटर रह चुके हैं। बता दें कि किंग्स इलेवन पंजाब उन चुनिंदा आईपीएल टीमों में से एक टीम है जो अब तक एक बार भी आईपीएल खिताब जीतने में कामयाब नहीं हो सकी है। टीम चाहेगी कि इस बार वो यह तिलिस्म तोड़ दे।

पाकिस्तान के खिलाफ बची हुई सीरीज में नहीं खेल पाएंगे बेन स्टोक्स, ईसीबी ने बताया कारण

मैनचेस्टर। (एजेंसी)

इंग्लैंड के स्टार आलराउंडर बेन स्टोक्स पारिवारिक कारणों से पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के बीच हुए मुकाबलों में नहीं खेल पायेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रविवार को यह जानकारी दी। ईसीबी ने हालांकि उनके हटने का सही कारण नहीं बताया। ईसीबी ने एक बयान में कहा, ''स्टोक्स इस हफ्ते के अंत में न्यूजीलैंड जायेंगे। वह पाकिस्तान के खिलाफ 13 अगस्त गुरूवार और 21 अगस्त शुक्रवार से एजिस बाउल में शुरू होने वाले इंग्लैंड के दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ''

बयान के मुताबिक, ''इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड स्टोक्स के परिवार के साथ सभी मीडिया से अनुरोध करता है कि वे इस समय परिवार की निजता का सम्मान करें। '' क्राइस्टचर्च में जन्में 29 वर्षीय स्टोक्स इंग्लैंड की टीम के अहम सदस्य हैं और उन्होंने हाल के वर्षों में कई शानदार प्रदर्शन से टीम को जीत दिलायी है जिसमें 2019 विश्व कप का फाइनल और एशेज हंड्रेड शामिल हैं। मेजबान इंग्लैंड ने शुरूआती टेस्ट तीन विकेट से जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है।

हार के बाद बोले पाक कप्तान अजहर, हमने मौके गंवाये, इंग्लैंड की जीत का श्रेय वोक्स और बटलर को

मैनचेस्टर। (एजेंसी)

पाकिस्तान के कप्तान अजहर अली ने तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में इंग्लैंड की जीत का श्रेय जोस बटलर और क्रिस वोक्स की साझेदारी को देते हुए कहा कि उनकी टीम मौकों को भुनाने में नाकाम रही। उन्होंने कहा कि ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे दिन पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड द्वारा पेश की गई चुनौती का मुकाबला करने में विफल रही, जिससे उन्हें तीन विकेट की हार का सामना करना पड़ा। अली ने मैच के बाद कहा, '' यह शानदार टेस्ट मैच था, लेकिन हारने वाली टीम होना निराशाजनक है। हमारे पास इंग्लैंड को ऑल आउट करने का मौका था, हमने रन आउट के कई मौकों को गंवा दिये। टेस्ट क्रिकेट में यह किसी अपराध की तरह है। मैच जीतने के लिए यह स्कोर काफी था।'' मैच के चौथे दिन शनिवार को जीत के लिए 277 रन का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम एक समय 117 रन पर पांच विकेट गंवा कर संघर्ष कर रही थी। इसके बाद बटलर (75) और वोक्स (नाबाद 84) ने छठे विकेट लिए 139 रन की साझेदारी कर के इंग्लैंड को तीन विकेट से जीत दिला दी।

अजहर ने कहा, '' उन्होंने दबदबा बना लिया और पिच से भी कोई मदद नहीं मिल रही थी। उन्होंने रुख बदल दिया और हम उनकी चुनौती का जवाब नहीं दे सके।'' इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने कहा कि उन्हें पता था कि 277 के लक्ष्य का पीछा करने के लिए एक विशेष पारी या साझेदारी की आवश्यकता होगी। रूट ने कहा, '' खिलाड़ियों पर इससे अधिक गर्व नहीं किया जा सकता। शानदार साझेदारी (वोक्स और बटलर के बीच) और उससे से शानदार उनका तरीका था। हमें पता था कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कुछ विशेष करना होगा। पिछली गर्मियों के बाद हालांकि हम ऐसी स्थिति में विश्वास करना नहीं छोड़ते। यही हमारी वास्तविक विशेषता है।'' मैन ऑफ द मैच क्रिस वोक्स ने कहा कि पिच की स्थिति को देखते हुए उनके और बटलर के पास आक्रामक बल्लेबाजी के अलावा और कोई रास्ता नहीं था। उन्होंन कहा, '' ओली पोप के आउट होने के बाद हमें पात था कि पिच कैसी होगी। इससे हमें अक्रामक खेलने को लेकर मन बनाने में आसानी हुई, हम उन्हें दबाव में लाना चाहते थे।'' वोक्स ने मैच में चार विकेट भी झटके थे।

वर्ल्ड कप 2021 के टलने से दु:खी हैं इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट

लंदन। (एजेंसी)

इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट न्यूजीलैंड में आयोजित होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप 2021 के स्थगन से काफी दुःखी हैं। हीथर नाइट ने उम्मीद जताई कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का यह फैसला सदस्य राष्ट्रों के लिए महिला क्रिकेट को हाशिए पर घकेलने का 'बहाना' बनाने का मौका नहीं देगा।

कोविड-19 के कारण आईसीसी ने टूर्नामेंट को 2022 फरवरी-मार्च तक स्थगित कर दिया लेकिन 29 साल की इस शीर्ष क्रिकेटर ने कहा कि टूर्नामेंट का 'आयोजन हो सकता' था।

उन्होंने ट्वीट किया,'ईमानदारी से कहूं तो काफी निराशा हुई है। मुझे पता है अभी की स्थिति में यह मुश्किल फैसला है जिस पर काफी विचार किया गया होगा, लेकिन न्यूजीलैंड में इसे आयोजित किया जा सकता था।'

उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि अगले 12 महीनों तक विश्व कप नहीं होने की स्थिति में विभिन्न क्रिकेट बोर्डों द्वारा महिला क्रिकेट को हाशिए पर ढकेलने के लिए यह कोई बहाना नहीं होगा।'

न्यूजीलैंड कोरोना वायरस से सबसे कम संक्रमित देशों में से एक है, जहां इसके महज 1569 मामले मिले जिसमें से ज्यादातर बीमारी से उबर चुके हैं। न्यूजीलैंड की मेजबानी में होने वाले इस विश्व कप को 6 फरवरी से 7 मार्च 2021 तक खेला जाना था।

आईसीसी ने शुक्रवार को बोर्ड की बैठक में महिला विश्व कप के इस 12वें सत्र को टालने का

फैसला किया। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी मनु साहनी ने कहा था, 'इस फैसले से सभी देशों को सबसे बड़े टूर्नामेंट की तैयारी के लिए बेहतर अवसर मिलेगा।

टूर्नामेंट की 3 अन्य टीमों को तय करने के लिए क्वालीफायर टूर्नामेंट भी करना है।'स्थगित विश्व कप का प्रारूप 2021 की तरह ही होगा। भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमें क्वालीफाई कर चुकी हैं। इसके अलावा 3 टीमें क्वालीफिकेशन प्रक्रिया से आएंगी जो अब 2021 में होगा।

'जम्बो' का अनुभव किंग्स इलेवन पंजाब के लिए मददगार साबित होगा

मुंबई। (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि किंग्स इलेवन पंजाब के मुख्य कोच अनिल कुंबले का ज्ञान और अनुभव टीम के लिए मददगार साबित होगा।

'जम्बो के नाम से मशहूर कुंबले को पंजाब ने अपना मुख्य कोच बनाया है और ली का मानना है कि कुंबले का अनुभव टीम के काम आ सकता है। आईपीएल के 13वें सत्र का आयोजन 19 सितंबर से 10 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र अमीरात में होना है।

स्टार स्पोटर्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में ली ने कहा, कुंबले जैसा कोच होने से निश्चित तौर पर टीम काफी मूल्यवान होगी। उनकी जानकारी, उनका अनुभव निश्चित तौर पर टीम की मदद करेगा।

उन्होंने कहा, पंजाब को जीतना होगा, वह एक अच्छी टीम है और उनके पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं और वह खिताब जीतने के काफी करीब है लेकिन पंजाब की टीम अभी तक अपनी लय नहीं पकड़ सकी है। मैं इसका इंतजार कर रहा हूं कि वो खिताब जीतें। यह टीम खेलने के लिए काफी अच्छी है।

भारतीय टीम के पूर्व कोच कुंबले को माइक हेसन के जाने के बाद पंजाब का कोच बनाया गया है। हेसन इस साल रॉयस चैलेंजर्स बेंगलोर के कोच हैं। कुंबले इससे पहले बेंगलोर के सपोर्ट स्टाफ और मुंबई इंडियंस के मेंटर रह चुके हैं।

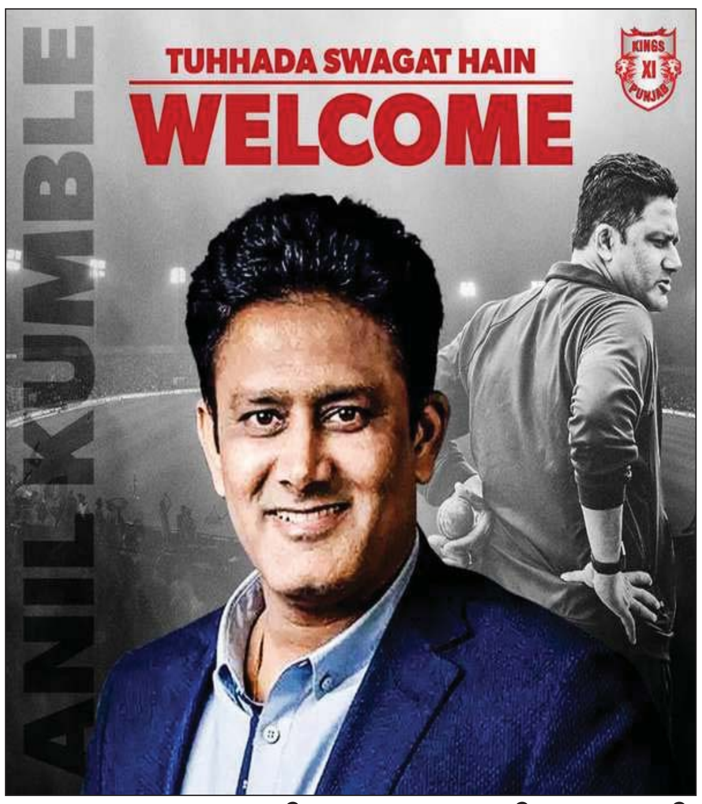

भारत और मोहन बागान के पूर्व खिलाड़ी मनितोम्बी का 39 साल की उम्र में निधन

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व डिफेंडर और मोहन बागान के कप्तान रहे मनितोम्बी सिंह का रविवार को 39 साल की उम्र में निधन हो गया। क्लब से जुड़े सूत्रों ने बताया कि उन्होंने मणिपुर के इंफाल के निकट अपने पैतृक गांव में रविवार को सुबह अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमारी से पीड़ित थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा आठ साल का बच्चा है। क्लब ने ट्विटर पर पोस्ट किया, '' मोहन बागान परिवार को क्लब के पूर्व कप्तान मनितोम्बी सिंह के असामयिक निधन से गहरा दुख हुआ है।''क्लब ने कहा, '' इस मुश्किल समय में हमारी संवेदना परिवार के साथ है। मनितोम्बी सिंह की आत्मा को शाांति मिले।'' मनितोम्बी कोच स्टीफन कांस्टेंटाइन की उस भारतीय अंडर -23 टीम के प्रमुख सदस्य थे जिसने 2003 में हो ची मिन्ह सिटी में वियतनाम को 3-2 से हराकर एलजी कप जीता था। सिंगापुर में 1971 में आठ देशों के टूर्नामेंट को जीतने के बाद यह भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय खिताबी जीत थी। मनितोम्बी ने 2002 बुसान एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने 2003 में मोहन बागान के लिए पदार्पण किया और 2004 में उनकी कप्तानी में टीम ने ऑल एयरलाइन्स गोल्ड कप की विजेता बनी। वह आखिरी बार मणिपुर राज्य लीग में 2015-16 में खेले थे।

वीवो के साथ आईपीएल टाइटल प्रायोजन निलंबित होना महज एक झटका, वित्तीय संकट नहीं : गांगुली

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने चीनी मोबाइल कंपनी वीवो के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टाइटल प्रायोजन करार के निलंबित होने को महज एक 'झटका' करार दिया और उन चर्चाओं को खारिज किया कि इससे 'वित्तीय संकट' उत्पन्न हो सकता है। बीसीसीआई और वीवो ने भारत और चीन की सीमा पर हुई सैनिकों की भिड़ंत के कारण चीनी उत्पादों के बहिष्कार करने की बातों के चलते गुरूवार को 2020 आईपीएल के लिये अपनी भागीदारी निलंबित करने का फैसला किया जो 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में हो रही है। टाइटल प्रायोजन आईपीएल के व्यवसायिक राजस्व का अहम हिस्सा है जिसका आधा भाग सभी आठों फ्रेंचाइजी में बराबर बराबर बांटा जाता है। वीवो ने 2018 से 2022 तक पांच साल के लिये 2190 करोड़ रूपये में (प्रत्येक वर्ष 440 करोड़ रूपये) आईपीएल टाइटल प्रायोजन अधिकार हासिल किये थे। गांगुली ने शैक्षिक किताबों के प्रकाशक एस चंद ग्रुप द्वारा शनिवार को आयोजित वेबिनार के दौरान कहा, ''मैं इसे वित्तीय संकट नहीं कहूंगा। यह महज छोटा सा झटका है। ''

उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई बहुत मजबूत संस्था है - बीते समय में खेल, खिलाड़ियों, प्रबंधकों ने इस खेल को इतना मजबूत बना दिया है कि बीसीसीआई इन सभी झटकों से निपटने में सक्षम है। '' पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ''आप अपने अन्य विकल्प खुले रखते हो। यह इसी तरह है जैसे पहली योजना और दूसरी योजना। समझदार लोग ऐसा करते हैं। समझदार ब्रांड ऐसा करते हैं। समझदार कॉरपोरेट ऐसा करते हैं। '' उन्होंने कहा, ''आप इसे एक ही तरीके से कर सकते हो कि आप कुछ समय के बाद पेशेवर रूप से मजबूत हो जाओ। बड़ी चीजें रातों रात हासिल नहीं की जातीं। और बड़ी चीजें रातों रात नहीं चली जातीं। लंबे समय के लिये आपकी तैयारियां आपको नुकसान के लिये तैयार रखती हैं और आपको सफलता के लिये तैयार रखती हैं। '' गांगुली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के शुक्रवार को भारत को 2021 पुरूष टी20 विश्व कप के मेजबान बरकरार रखने के फैसले के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''भारत को 2021 और 2023 विश्व कप की मेजबानी अधिकार दिये गये थे इसलिये इसमें बड़ा बदलाव नहीं हुआ। हां, कोविड-19 ने सभी को सतर्क रखा, लेकिन यह ऐसा ही है।

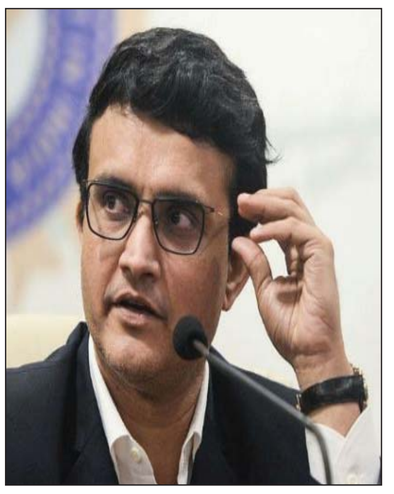

दर्शक को प्रवेश मिलने पर बॉक्सिंग डे टेस्ट मेलबर्न में ही : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम प्रमुख निक हॉकले ने शनिवार को कहा कि अगर दर्शकों को स्टेडियम के भीतर प्रवेश की अनुमति दी जाए तो भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मेलबर्न में ही होगा। ऐसी अटकलें हैं कि विक्टोरिया प्रांत में कोरोनावायरस महामारी के बढते मामलों के मद्देनजर इस साल के आखिर में होने वाला बॉक्सिंग डे टेस्ट एडीलेड में कराया जा सकता है।

हॉकले ने कहा, 'अगर दर्शकों को एमसीजी में आने की अनुमति मिलती है तो यह टेस्ट वहीं होगा।' उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि जितने प्रतिबंध अभी लगाए जा रहे हैं, उनका तेजी से असर होगा और हम फिर से सामान्य स्थिति में लौटेंगे। दर्शक मैदान में बैठकर खेल का मजा ले सकेंगे।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है।

सोलह कलाओं के अवतार हैं श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है। सच में कृष्ण ने समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति का सम्मान बढ़ाया, जो जिस भाव से सहायता की कामना लेकर कृष्ण के पास आया, उन्होंने उसी रूप में उसकी इच्छा पूरी की। अपने कार्यों से उन्होंने लोगों का इतना विश्वास जीत लिया कि आज भी लोग उन्हें 'भगवान श्रीकृष्ण' के रूप में ही मानते और पूजते हैं।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है। कृष्ण ने सारी दुनिया को कर्मयोग का पाठ पढ़ाया। उन्होंने प्राणीमात्र को यह संदेश दिया कि केवल कर्म करना आदमी का अधिकार है। फल की इच्छा रखना उसका अधिकार नहीं। इंसान सुख और दुख दोनों में भगवान का स्मरण करता है। श्रीकृष्ण का जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उनके जीवन को हम तीन भागों में विभक्त करें तो वे जेल में पैदा हुए, महल में जिए और जंगल से विदा हुए। जेल में पैदा होना बुरी बात नहीं है, जेल में जीना और मरना अपराध हुआ करता है। आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। भगवान श्रीकृष्ण, मर्यादा पुरुषोत्तम राम और भगवान महावीर आदि महापुरुषों ने हमें जीवन जीने की सीख दी है। राम, कृष्ण एवं महावीर का जीवन अलग-अलग मर्यादाओं और संदेशों पर आधारित है। राम ने जीवन भर मर्यादाएं नहीं तोड़ीं, वे देव बनकर जिए। श्रीकृष्ण वाकपुटता में जीवन जीते रहे। मर्यादाओं से नीरस हुए जीवन को कृष्ण ने रस और आनंद से भर दिया, लेकिन महावीर ने परम विश्राम और समाधि का सूत्र दिया। उन्होंने मौन साधना सिखाई। मित्रता सीखनी हो तो कृष्ण से सीखो वे सबको अपने समान चाहते थे। उनकी दृष्टि में अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं था। अतः हमें भी कृष्ण की इसी सीख को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

व्रत-पूजन कैसे करें

उपवास की पूर्व रात्रि को हल्का भोजन करें और ब्रह्मचर्य का पालन करें।

उपवास के दिन प्रातःकाल स्नानादि नित्य कर्मों से निवृत्त हो जाएं।

तत्पश्चात सूर्य, सोम, यम, काल, संधि, भूत, पवन, दिक्‌पति, भूमि, आकाश, खेचर, अमर और ब्रह्मादि को नमस्कार कर पूर्व या उत्तर मुख बैठें।

इसके बाद जल, फल, कुश और गंध लेकर संकल्प करें

ममखिलपापप्रशमनपूर्वक
सर्वाभीष्ट सिद्धये
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतमहं
करिष्ये॥

अब मध्याह्न के समय काले तिलों के जल से स्नान कर देवकीजी के लिए सूतिकागृह नियत करें।

तत्पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

मूर्ति में बालक श्रीकृष्ण को स्तनपान कराती हुई देवकी हों और लक्ष्मीजी उनके चरण स्पर्श किए हों अथवा ऐसे भाव हो।

इसके बाद विधि-विधान से पूजन करें

पूजन में देवकी, वसुदेव, बलदेव, नंद, यशोदा और लक्ष्मी इन सबका नाम क्रमशः निर्दिष्ट करना चाहिए।

फिर इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पण करें-

प्रणमे देव जननी त्वया जातस्तु
वामनः।
वसुदेवात तथा कृष्णो नमस्तुभ्यं
नमो नमः।
सुपुत्रार्घ्यं प्रदत्तं में गृहाणेमं
नमोऽस्तुते।
अंत में प्रसाद वितरण कर भजन-कीर्तन करते हुए रतजगा करें।

श्रीकृष्ण बना रहे मालामाल

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट श्रृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण दीन दयाल कहलाते हैं। जो भी इनकी शरण में आ जाता है, उसे धनवान बना देते हैं। श्रीकृष्ण की कृपा से हिंदू हमेशा से धनवान होते रहे हैं, लेकिन श्रीकृष्ण की लीलास्थली में मुसलमान भी श्रीकृष्ण की कृपा से निहाल हो रहे हैं और श्रीकृष्ण उन्हें मालामाल बना रहे हैं।

ऐसे कृपा बरस रही है कृष्ण की

वृंदावन के मुसलमानों को श्रीकृष्ण इसलिए मालामाल बन रहे हैं कि यहां के मुसलमान हिंदुओं की आस्था के केंद्र ठाकुर जी के लिए पूरी निष्ठा के साथ एक से बढ़कर एक शानदार पोशाकें, मुकुट श्रृंगार तैयार कर रहे हैं।

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट श्रृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं। कई परिवार वर्षों से ठाकुरजी की पोशाक और मुकुट श्रृंगार को मूर्त रूप प्रदान करते आए हैं। यह हमारी जीविका का साधन भी है। सैकड़ों मुस्लिम परिवारों का पालन ठाकुरजी की पोशाक और श्रृंगार के निर्माण से चल रहा है।

विदेशों में भी इनके कपड़े पहनते हैं श्रीकृष्ण

वृंदावन के मुस्लिम समाज द्वारा बनाई गई पोशाक गुजरात के अहमदाबाद स्थित अक्षरधाम के राधा-कृष्ण के श्री विग्रह और दिल्ली एवं पंजाबी बाग के इस्कान मंदिर के श्री विग्रह धारण करेंगे। वृंदावन में बनाई जाने वाली पोशाकों की मांग इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया के भारतीय मूल के लोगों के अलावा विदेशी भी अधिक पसंद करते हैं। वे वृंदावन से खरीदकर अपने अपने देश ले जाते हैं।

राधा और कृष्ण का आपस में कैसा नाता

भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के बारे में यह माना जाता है कि इन दोनों के बीच प्रेम संबंध था, जबकि असलियत यह है कि कृष्ण और राधा के बीच प्रेम से बढ़कर भी एक नाता था। यह नाता है पति-पत्नी का, लेकिन इस रिश्ते के बारे में सिफ्र तीन लोगों को पता था- एक तो कृष्ण, दूसरी राधा रानी और तीसरे ब्रह्मा जी, जिन्होंने कृष्ण और राधा का विवाह करवाया था, लेकिन इन तीनों में आपके कोई भी इस बात की गवाही देने नहीं आएगा, लेकिन जिस स्थान पर इन दोनों का विवाह हुआ था, वहां के वृक्ष आज भी राधा-कृष्ण के प्रेम और मिलन की गवाही देते हैं।

तब राधा-कृष्ण का विवाह संपन्न हुआ

गर्ग संहिता के अनुसार, मथुरा के पास स्थित भांडीर वन में भगवान श्रीकृष्ण और देवी राधा का विवाह हुआ था। इस संदर्भ में कथा है कि एक बार नंदराय जी बालक श्रीकृष्ण को लेकर भांडीर वन से गुजर रहे थे। उसी समय अचानक देवी राधा प्रकट हुई। देवी राधा के दर्शन पाकर नंदराय जी ने श्रीकृष्ण को राधा जी की गोद में दे दिया। श्रीकृष्ण बाल रूप त्याग कर किशोर बन गए। तभी ब्रह्मा जी भी वहां उपस्थित हुए। ब्रह्मा जी ने कृष्ण का विवाह राधा से करवा दिया। कुछ समय तक कृष्ण राधा के संग इसी वन में रहे। फिर देवी राधा ने कृष्ण को उनके बाल रूप में नंदराय जी को सौंप दिया।

राधा जी की मांग में सिंदूर

भांडीर वन में राधाजी और भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर में स्थित विग्रह अपने आप अनोखा है, क्योंकि यह अकेला ऐसा विग्रह है, जिसमें श्रीकृष्ण भगवान राधाजी की मांग में सिंदूर भरते हुए दृश्य हैं।

भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश

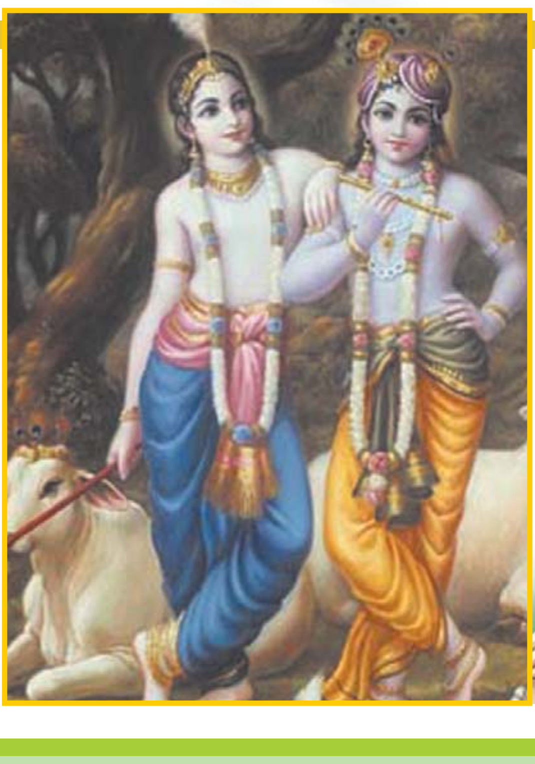

गीता के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अनासक्त कर्म यानी 'फल की इच्छा किए बिना कर्म' करने की प्रेरणा दी। इसका प्रमाण उन्होंने अपने निजी जीवन में भी प्रस्तुत किया। मथुरा विजय के बाद भी उन्होंने वहां शासन नहीं किया।

कला से प्रेम करो : संगीत और कलाओं का हमारे जीवन में विशिष्ट स्थान है। भगवान ने मोरपंख और बांसुरी धारण करके कला, संस्कृति एवं पर्यावरण के प्रति अपने लगाव को दर्शाया। इनके जरिए उन्होंने संदेश दिया कि जीवन को सुंदर बनाने में संगीत और कला का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

निर्बल का साथ दो : कमजोर एवं निर्बल का सहारा बनो। निर्धन बाल सखा सुदामा हो या षड्यंत्र का शिकार पांडव, श्रीकृष्ण ने सदा निर्बलों का साथ दिया और उन्हें मुसीबत से उबारा।

अन्याय का प्रतिकार करो : अन्याय का सदा विरोध होना चाहिए। श्रीकृष्ण की शांतिप्रियता कायर की नहीं, बल्कि एक वीर की थी। उन्होंने अन्याय कभी स्वीकार नहीं किया। शांतिप्रिय होने के बावजूद शत्रु अगर गलत है तो उसके शमन में पीछे नहीं हटें।

मातृशक्ति के प्रति आदर भाव रखें : महिलाओं के प्रति सम्मान और उन्हें साथ लेकर चलने का भाव हो। भगवान कृष्ण की रासलीला दरअसल मातृशक्ति को अन्याय के प्रति जागृत करने का प्रयास था और इसमें राधा उनकी संदेशवाहक बनीं।

अपने अहंकार को छोड़ो : व्यक्तिगत जीवन में हमेशा सहज एवं सरल बने रहो। जिस तरह शक्ति संपन्न होने पर भी श्रीकृष्ण को न तो युधिष्ठिर का दूत बनने में संकोच हुआ और न ही अर्जुन का सारथी बनने में। एक बार तो दुर्योधन के छप्पन व्यंजन को छोड़कर विदुरानी (विदुर की पत्नी) के घर उन्होंने सादा भोजन करना पसंद किया।

जीवन में उदारता रखें : उदारता व्यक्तित्व को संपूर्ण बनाती है। श्रीकृष्ण ने जहां तक हो सका मित्रता, सहयोग सामंजस्य आदि के बल पर ही परिस्थितियों को सुधारने का प्रयास किया, लेकिन जहां जरूरत पड़ी, वहां सुदर्शन चक्र उठाने में भी उन्होंने संकोच नहीं किया। वहीं अपने निर्धन सखा सुदामा का अंत तक साथ निभाया और उनके चरण तक पखारें।

कविताएं

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार,
दही की हांडी, बारीश की फुहार,
माखन चुराने आया नंदलाल,
यशोमती मैया का नंदगोपाल !

राधा की भक्ति, मुरली की मिठास,
माखन का स्वाद और गोपियों का रास,
इन्ही सबसे मिलकर बनता है,
जन्माष्टमी का ये दिन ख़ास !

मुरली मनोहर, ब्रिज के धरोहर,
मुरली की मधुर आवाज़, झूम उठे ये बहार,
कृष्ण जिनका नाम, गोकुल जिनका धाम,
श्री कृष्ण भगवान को हम सबका प्रणाम !

कान्हा

द्वापर में भादों के महीने में
काली अंधेरी रात में
जन्म लिया कान्हा ने
मथुरा में कारागार के कक्ष में।
था दिवस चमत्कारी
सारे बंधन टूट गए
द्वार के ताले स्वतः खुले
जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।
बेटे को बचाने के लिए
गोकुल जाने के लिए
वासुदेव ने जैसे ही
जल में पैर धरा
जमुना की श्रद्धा ऐसी जागी
बाढ़ आ गई नदिया में।
बाहर पैर आते ही
कान्हा के पैरों को पखारा
जैसें ही छू पाया उन्हें
अद्‌भुत शांति छाई जल में।
सारा गोकुल धन्य हो गया
कान्हा को पा बाहों में
गोपिया खो गईं
मुरली की मधुर धुन में।
बंधीं प्रेम पाश में उसके
रम कर रह गईं उसी में
ज्ञान उद्धव का धरा रह गया
उनको समझाने में।
वे नहीं जानती थीं उद्‌देश्य
कृष्ण के जाने का
कंस के अत्याचारों से
सब को बचाने का ।
अंत कंस का हुआ
सुखी समृद्ध राज्य हुआ
कौरव पांडव विवाद में
मध्यस्थ बने सहायता की ।
सच्चाई का साथ दिया
युद्ध से विचलित अर्जुन को
गीता का उपदेश दिया
आज भी है महत्व जिसका।
जन्म दिन कान्हा का
हर साल मनाते हैं
श्रद्धा से भर उठाते हैं
जन्माष्टमी मनाते हैं ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राइफल से मिसाइल तक अब भारत में बनेंगे 101 घातक हथियार, आत्मनिर्भर बनेगा रक्षा क्षेत्र

नेशनल डेस्क।

आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर सेना बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र सेनाओं के उपयोग के 101 हथियारों, उपकरणों एवं साजोसामान के आयात पर रोक लगाने का फैसला किया है और कहा है कि इन सामानों की आपूर्ति स्वदेशी कारखानों से ही की जाएगी। असॉल्ट राइफल, आर्टिलरी गन, रडार, हल्के जंगी हेलिकॉप्टर, ये उन रक्षा उपकरणों की सूची है जो भारत कुछ महीने पहले तक दूसरे देशों से मंगाता था लेकिन रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर एक मजबूत कदम बढ़ाते हुए भारत ने ऐसे 101 रक्षा सामानों के आयात पर रोक लगा दी है। यह उपकरण अब भारत में ही बनेंगे। केंद्र सरकार द्वारा घोषित ये रोक चरणबद्ध तरीके से दिसंबर 2025 तक लागू होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को यहां यह घोषणा की। राजनाथ ने ट्विटर पर बताया कि रक्षा मंत्रालय आत्मनिर्भर भारत की पहल को बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। मंत्रालय 101 वस्तुओं के आयात पर एक निश्चित समय सीमा के बाद प्रतिबंध लगाएगा ताकि स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बल मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अर्थव्यवस्था, आधारभूत ढांचा, सिस्टम, जनसांख्यिकी और मांग के पांच स्तंभों पर आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया है और इसके लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज की भी घोषणा की है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इससे प्रेरणा लेते हुए रक्षा मंत्रालय ने 101 वस्तुओं की एक सूची तैयार की है जिनके आयात पर एक निश्चित समयसीमा के बाद प्रतिबंध लग जाएगा। यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से भारतीय रक्षा उद्योग के लिए बड़े अवसर पैदा होंगे। वे सशस्त्र सेनाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन 101 वस्तुओं का अपनी डिजाइन एवं तकनीक अथवा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा प्रदत्त डिजाइन एवं तकनीक के आधार पर विर्निर्माण कर सकेंगे। सिंह ने बताया कि आयात पर प्रतिबंध की समय सीमा अलग-अलग वस्तुओं पर अलग-अलग होगी और यह 2020 से 2024 के बीच होगी। हमारा उद्देश्य भारतीय रक्षा उद्योग को सशस्त्र सेनाओं की भावी आवश्यकताओं से अवगत कराना है उद्देश्य भारतीय रक्षा उद्योग को सशस्त्र सेनाओं की भावी आवश्यकताओं से अवगत कराना है ताकि वे स्वदेशीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बेहतर तैयारी कर सकें। 101 उपकरणों और हथियारों की सूची में से 69 के आयात पर तो दिसंबर 2020 से ही रोक लग जाएगी। भारत अब आर्टिलरी गन, जमीन से हवा में मार करने वाली छोटी दूरी की मिसाइलें, शिप से छोड़ी जा सकने वाली क्रूज मिसाइलें, असॉल्ट राइफल, हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर, रडार, बैलेस्टिक हेलमेट, बुलेट प्रूफ जैकेट और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का आयात नहीं करेगा। नई रक्षा नीति और आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इन्हें अपने देश में ही बनाएगा।

केरल विमान हादसा: 500 दिरहम ने बचा ली दो भारतीयों की जान, अब भगवान का कर रहे शुक्रिया

नेशनल डेस्क ।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में दो भारतीय आखिरी समय में सवार होने से रह गए थे। अब यह दोनों भारतीय भगवान का शुक्रिया अदा कर रहे हैं। दरअसल विमान शुक्रवार को केरल के कोझिकोड में भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया और उसमें सवार कम से कम 18 लोग मारे गए। बोइंग 737 विमान शुक्रवार शाम 7 बजकर 41 मिनट पर केरल के कोझिकोड में हवाईपट्टी से फिसल गया था। विमान में 10 नवजात शिशुओं समेत 184 यात्री, दो पायलट और चालक दल के चार सदस्य थे। इस हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। शारजाह के एक स्कूल में ऑफिस ब्वॉय का काम करने वाले अजमान के निवासी नोफाल मोईन वेट्टन ने विमान का टिकट बुक करवाया था और निर्धारित समय के अनुसार चेक इन भी कर लिया था। लेकिन ऐन वक्त पर वह विमान में सवार होने से रह गए। उन्होंने गल्फ न्यूज को बताया, ''मुझे मेरा बोर्डिंग पास मिल गया था लेकिन जब मैं आव्रजन काउंटर पर पहुंचा तो उन्होंने बताया कि मुझे तय समय से अधिक वक्त तक रूकने के कारण 20,430 रुपए अदा करने होंगे लेकिन मेरे पास केवल 10,215 रुपए ही थे। उन्होंने बताया, ''मैंने अपने स्कूल के पीआरओ को फोन लगाया तो उन्होंने मुझे लौट आने को कहा। उन्होंने कहा कि वह नियमों का पालन करेंगे और मुझे भेजने से पहले जुर्माना भरेंगे। वेट्टन बड़े निराश हुए

उन्होंने फोन करके इस बारे में अपने परिवार को सूचित कर दिया। उन्होंने कहा कि जब मुझे दुर्घटना के बारे में पता चला तो सभी यात्रियों के लिए मुझे बहुत दुख हुआ। लेकिन इस बात से बड़ी राहत मिली कि मेरा विमान छूट गया। अल्लाह बहुत दयालु है। वहीं अबु धाबी के रहने वाले अफसल पर्राकोडन भी खुशकिस्मत रहे। उन्होंने बताया, ''हफ्ते भर पहले मेरा कामकाजी वीजा खत्म हो गया था। बोर्डिंग पास मिलने के बाद बताया गया कि मुझे आव्रजन काउंटर पर 1,000 दिरहम (20,430 रुपए) अदा करने होंगे लेकिन तब मेरे पास केवल 500 दिरहम (10,215 रुपए) ही थे। मैं विमान में चढ़ना चाहता था और अपने परिवार के पास पहुंचना चाहता था ।

कोरोना योद्धा तक प्लाज्मा पहुंचाने के लिए 8 घंटे से भी कम समय में तय किया 450किमी का सफर

नेशनल डेस्क। असम के युवकों ने कोरोना-19 योद्धा की जान बचाने के लिए 450 किमी की दूरी 8 घंटे से भी कम समय में तय की। हर कोई इन युवकों की सराहना कर रहा है। युवकों ने एक रिले रेस की तरह तेज स्पीड में अपनी कारों का भगाया और एक-दूसरे तक आइस बॉक्स में ब्लड प्लाज्मा सौंपते हुए गुवाहाटी से डिब्रूगढ़ तक 450 किमी की दूरी 8 घंटे से भी कम समय में तय की। दरअसल शुक्रवार देर शाम को डिब्रूगढ़ स्थित डॉक्टर और सामाजिक कार्यकर्त्ता भास्कर पापुकन गोगोई को असम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक स्टाफ नर्स बिजुरानी गोगोई के लिए ब्लड प्लाज्मा की जल्द जरूरत के लिए कॉल आया। नर्स ड्यूटी के दौरान कोरोन वायरस से संक्रमित हुईं थी। वह मौत और जिंदगी के बीच जूझ रही थी। में प्लाज्मा बैंक खाली हो गया था और जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पास भी स्टॉक नहीं था। ऐसे में डॉ गोगोई ने बताया कि उनके पास कॉल आई की क्या प्लाज्मा की एक यूनिट मिल सकती है। डॉ गोगोई ने हमारे पास प्लाज्मा तो था लेकिन उसे मरीज तक पहुंचाया कैसे जाए यह सबसे बड़ी बात थी। ऐसा में डॉ गोगोई ने मारवाड़ी युवा मंच (एमवाईएम) की डिब्रूगढ़ इकाई से संपर्क किया जो एक युवा स्वयंसेवी संगठन है।

कश्मीर के मुख्यधारा के दलों ने मुख्य सचिव के बयान पर दी तीखी प्रतिक्रिया

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यधारा के राजनीतिक दलों ने भ्रष्टाचार के संबंध में मुख्य सचिव बी वी आर सुब्रमण्यम के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि इस तरह के आरोप उनके पेशेवर रवैये और निष्पक्षता पर बड़ा सवाल उठाते हैं । सुब्रमण्यम ने कहा है कि जम्मू कश्मीर की व्यवस्था बदहाल हो चुकी थी और मुख्यधारा के दलों और अलगाववादी संगठनों के नेताओं द्वारा किए जाने वाले च्फर्जीवाड़ा , कुप्रशासन, भ्रष्टाचार के कारण पिछले कई वर्षों से कोई व्यवस्था नहीं बची थी। उन्होंने कहा कि इसी वजह से पिछले साल जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने के केंद्र के फैसले के बाद राजनीतिक और अलगाववादी नेताओं की हिरासत पर च्चिकसी ने भी आवाज नहीं उठायी । नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता इमरान नबी डार ने कहा कि एक नौकरशाह द्वारा इस तरह के आरोप लगाए जाने से उनके पेशेवर रवैये, कार्य संस्कृति और निष्पक्षता पर सवाल उठता है । माकपा के वरिष्ठ नेता एम वाई तारिगामी ने पूछा कि पिछले दो साल से क्षेत्र में निर्वाचित सरकार नहीं है ऐसे में जम्मू कश्मीर में भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए मुख्य सचिव के प्रशासन ने क्या कदम उठाए । जम्मू कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (जेकेपीसी) ने भी मुख्य सचिव के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी ।

दिल्ली-केरल समेत इन राज,यों में आज भारी बारिश की संभावना, ऑरेंज अलर्ट जारी

नेशनल डेस्क।

भारतीय मौसम विभाग उत् तर पश्चिमी भारत के हिस् सों के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार और सोमवार को उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल् ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने भारी बारिश के चलते किसी भी अप्रिय घटना के लिए सतर्क रहने को कहा है। विभाग के मुताबिक केरल में रविवार को भी भारी बारिश की संभावना है। केरल और माहे में अगले 24 घंटे के दौरान कुछ स्थानों में तेज से बहुत तेज और कहीं-कहीं अतिवष्टि होने का अनुमान है। तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराइकल (कोयम्बटूर, नीलगिरि और थेनी जिलों के पर्वतीय क्षेत्र) पर अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी के साथ मूसलाधार बारिश होने के आसार हैं। पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, दक्षिण कोंकण और गोवा में पृथक स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, गुजरात क्षेत्र और मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अगल अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पश्चिम राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटा की तेज गति की हवा और कड़कती बिजली के साथ बारिश होने का अनुमान है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम,त्रिपुरा , तटीय आंध्र प्रदेश, यानम, तेलंगाना, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर बिजली के साथ बारिश होने का अनुमान है।

ओओ मिलकर सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखें, आदिवासी दिवस पर राहुल गांधी ने की अपील

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को विश्व आदिवासी दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मिलजुल कर रहने की सीख देने वाली इस समुदाय की संस्कृति को बचाकर रखने की ज़रूरत है। राहुल गांधी ने रविवार को ट्वीट कर लिखा कि आदिवासी समुदायों की जीवनशैली में प्रकृति के प्रति आस्था, प्रेम और सम्मान होता है जिससे पूरा विश्व संरक्षण और मिल-जुलकर रहने की सीख पाता है। हम सबको मिलकर इस सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखना होगा। विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। वहीं इससे पहले राहुल गांधी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन की 78वीं वर्षगांठ पर कहा कि अब महात्मा गांधी के नारे 'करो या मरो को 'अन्याय के खिलाफ लड़ो, डरो मत के रूप में नए मायने देने होंगे। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि भारत छोड़ो आंदोलन की 78वीं वर्षगांठ पर गांधीजी के 'करो या मरो के नारे को नए मायने देने होंगे। अन्याय के ख़िलाफ़ लड़ो, डरो मत।

सुशांत केस : रिया चक्रवर्ती के भाई शौविक से ईडी ने 18 घंटे तक की पूछताछ

नेशनल डेस्क।

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या मामले में प्रर्वतन निदेशालय (श्वष्ठ) का अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती और उसके परिवार पर शिकंजा कसता जा रहा है। ईडी ने रिया चक्रवर्ती के भाई शौविक चक्रवर्ती से मैराथन पूछताछ की। मनी लॉन्ड्रिंग केस को लेकर ईडी ने शौविक से शनिवार को करीब 18 घंटे तक पूछताछ की। इससे पहले शुक्रवार को भी ईडी ने शौविक से 2 घंटे पूछताछ की थी। वहीं सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती से ईडी ने शुक्रवार को 9 घंटे पूछताछ की थी। ईडी अब तक रिया के साथ उनके भाई शौविक, सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर श्रुति मोदी और सीए रितेश शाह से पूछताछ कर चुकी है। बता दें कि सुशांत सिंह के पिता ने रिया और उसके परिवार पर 15 करोड़ रुपए की हेराफेरी का आरोप लगाया है। दूसरी तरफ बिहार पुलिस ने को सुशांत केस से जुड़े तमाम दस्तावेज सौंप दिए हैं। ने सुशांत सिंह केस में सुप्रीम कोर्ट से उन्हें भी पक्षकार बनाने की मांग की है। वहीं सुशांत सिंह राजपूत के पिता केके सिंह और उनकी बहन रानी सिंह ने शनिवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। सीएम खट्टर ने सुशांत के पिता को सांत्वना देते हुए कहा कि पूरा मामला को ट्रांसफर होने के बाद अब उन्हें न्याय अवश्य मिलेगा। बता दें कि सुशांत सिंह के जीजा ओपी सिंह फरीदाबाद के पुलिस कमिश्नर हैं। रिया से ईडी ने पूछताछ में उसकी चल-अचल संपत्ति से लेकर उसकी पिछले तीन साल में रहे इनकम सोर्स और शौविक की फर्म तक के बारे में पूछताछ की।

भारत-चीन बन सकते हैं दोस्त?, विदेश मंत्री जयशंकर ने दिया यह जवाब

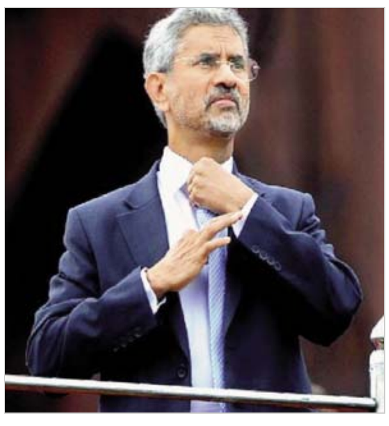

नेशनल डेस्क।

भारत और चीन के बीच इन दिनों रिश्ते काफी तनावपूर्ण बने हुए हुए हैं। ऐसे में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दोनों देशों के बीच रिश्तों को लेकर बड़ा बयान दिया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि आकार और प्रभाव को देखते हुए भारत-चीन पर दुनिया का काफी कुछ निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों का भविष्य ''किसी तरह की समतुल्यता या समझ पर पहुंचने पर ही निर्भर करता है। सीआईआई शिखर सम्मेलन में ऑनलाइन वार्ता के दौरान जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच ''समस्याएं हैं जो ''अच्छी तरह परिभाषित हैं। वह एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या भारत और चीन अगले 10-20 सालों में दोस्त बन सकते हैं जैसे फ्रांस और जर्मनी ने अपने अतीत को छोड़कर नए संबंध स्थापित किए। जयशंकर ने सीधा जवाब नहीं दिया बल्कि संक्षिप्त रूप से संबंधों के ऐतिहासिक पहलु बताए। उन्होंने कहा, ''हम चीन के पड़ोसी हैं। चीन दुनिया में पहले से ही दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हम एक दिन तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे। आप तर्क कर सकते हैं कि कब बनेंगे। हम जनसांख्यिकीय रूप से काफी अनूठे देश हैं। हम केवल दो देश हैं जहां की आबादी एक अरब से अधिक है। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी समस्याएं भी लगभग उसी समय शुरू हुईं जब यूरोपीय समस्याएं शुरू हुई थीं। विदेश मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में दोनों देशों के काफी मजबूत तरीके से उभरने के समय में भी बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से दोनों देशों के बीच किसी तरह की समानता या समझ तक पहुंचना बहुत जरूरी है। भारत की विदेश नीति के बारे में विदेश मंत्री ने कहा कि देश उचित एवं समानता वाली दुनिया के लिए प्रयास करेगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय नियमों और मानकों की वकालत नहीं करने से ''जंगल राज हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर हम कानून एवं मानकों पर आधारित विश्व की वकालत नहीं करेंगे तो ''निश्चित रूप से जंगल का कानून होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध और महात्मा गांधी के संदेशों को अब भी पूरी दुनिया में मान्यता मिलती है। महात्मा गांधी के संदेशों को अब भी पूरी दुनिया में मान्यता मिलती है। जयशंकर ने कहा कि पहले भले ही सैन्य एवं आर्थिक ताकत वैश्विक शक्ति का प्रतीक होते थे लेकिन अब प्रौद्योगिकी और संपर्क शक्ति और प्रभाव के नए मानक बनते जा रहे हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों की राजधानी बनेगी दिल्ली, कम खर्च सबसिडी और साथ में कई लाभ

नेशनल डेस्क। राजधानी में अगले चार वर्षों में बिजली से चलने वाले 25 प्रतिशत वाहनों का पंजीकरण किया जाना है। इनमें कार, बस, ई-रिक्शा आदि शामिल होंगे। पर्यावरण जानकारों के अनुसार सर्दियों के समय करीबन 30 प्रतिशत प्रदूषण वाहनों की वजह से होता है। बिजली से चलने वाले वाहन पर्यावरण के अनुकूल होंगे, जिससे हवा भी स्वच्छ होगी। इन वाहनों को पार्किंग की सुविधा विशेष तौर पर मिले, इसके लिए बिल्डिंग बॉयलॉज में बदलाव कर पार्किंग स्थल पर कम से कम 20 प्रतिशत पार्किंग में चार्जिंग की सुविधा देने के प्रावधान निकायों द्वारा किए जा रहे हैं। सरकार ने भी खरीदी जाने वाली नई बसों में से 50 प्रतिशत ई-बसें खरीदने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि दिल्ली को इलैक्ट्रिक वाहनों की राजधानी बनाना है। एक वर्ष में दिल्ली सरकार 35,000 इलैक्ट्रिक वाहनों (2,3,4 व्हीलर्स और बसों) को शामिल करने, लास्ट माइल डिलीवरी के लिए 1000 इलैक्ट्रिक वाहन जोड़ेगी। 200 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे वहीं पर स्वैपिंग स्टेशन भी होंगे जहां से बैटरी बदली जा सकेगी और दूसरी बैटरी लेकर वाहन चालक जा सकेंगे। अगले 5 वर्षों में दिल्ली सरकार ने इस पॉलिसी के तहत राजधानी में 5 लाख नए इलैक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण का लक्ष्य रखा है। अनुमान है कि ये इलैक्ट्रिक वाहन अपने जीवनकाल के दौरान तेल, तरल प्राकृतिक गैस के आयात में लगभग 6,000 करोड़ रुपए की बचत करेंगे और 4.8 मिलियन टन सीओ-2 (कार्बन डाईऑक्साइड) के उत्सर्जन से बचा जा सकता है, जो कि उनके जीवन काल में लगभग 1 लाख पैट्रोल कारों से सीओ-2 उत्सर्जन से बचने के बराबर है। दोपहिया वाहन खरीद पर छूट की भी घोषणा कार पर 1.5 डेढ़ लाख रुपए की छूट। ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा पर 30 हजार की छूट। माल ढोने वाले वाहन खरीदने पर 30 हजार तक छूट।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री अमित शाह हुए कोरोना मुक्त, मनोज तिवारी ने दी ठीक होने की जानकारी

नेशनल डेस्क। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महामारी को मात देने में कामयाब हो गए हैं। जांच के बाद उनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। बीजेपी नेता मनोज तिवारी ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। मनोज तिवारी ने रविवार को ट्वीट कर बताया कि देश के यशस्वी गृह मंत्री अमित शाह जी की कोविड रिपोर्ट निगेटिव आई। बता दें कि अमित शाह कुछ दिन पहले कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे, जिसके बाद उन्हें डॉक्टर्स की सलाह पर गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। गृहमंत्री अमित शाह ने खुद भी अपने ट्विटर हैंडल पर इस बात की पुष्टि की थी। उन्होंने बताया कि शुरूआती लक्षण दिखने के बाद कोरोना टेस्ट जांच करवाई थी, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। गृहमंत्री ने लिखा था कि मेरी तबीयत ठीक है परन्तु डॉक्टर्स की सलाह पर अस्पताल में भर्ती हो रहा हूं। मेरा अनुरोध है कि आप में से जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आयें हैं, कृपया स्वयं को आइसोलेट कर अपनी जाँच करवाएं।

जोधपुर में 11 पाकिस्तानी शरणार्थियों की मौत, खेत में पड़े मिले शव

नेशनल डेस्क। राजस्थान के जोधपुर में रविवार को दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां देचू के अचलावता गांव में एक खेत में 11 लोगों के शव बरामद हुए हैं। सभी मृतक पाक विस्थापित बताए जा रहे हैं। ये सभी लोग अचलावता गांव में खेती का काम करते थे। वहीं मामले की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। मामले में हत्या की आशंका जताई जा रही है। प्रथम दृष्ट्या इन 11 लोगों की मौत जहरीली गैस या जहर खुरानी से हुई बताई जा रही है। वहीं इलाके में एक साथ 11 शव मिलने से सनसनी का माहौल है। हर तरफ इसकी चर्चा हो रही है। स्थानीय लोग इस मामले पर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

पूर्व मंत्री जीतू पटवारी की बढ़ी मुश्किलें, नरेंद्र मोदी की फोटो से छेड़छाड़ को लेकर हुई एफआईआर

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो को एडिट कर ट्वीट करने के मामले को लेकर कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री जीतू पटवारी की मुश्किल में पड़ते नजर आ रहे हैं। उनके खिलाफ भाजपा नेताओं ने इंदौर के छत्रीपुरा थाना में शिकायत दर्ज कराई है। छत्रीपुरा पुलिस ने बीजेपी नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे की शिकायत पर कलेक्टर के आदेशों का हवाला देते हुए विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। दरअसल, पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने पने ट्विटर अकाउंट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक फोटो पोस्ट की थी। वह फोटो 5 अगस्त अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि की पूजन के दौरान ली गई हुई थी। उसके ऑरिजिनल फोटो में प्रधानमंत्री मोदी दोनों हाथ जोड़ भगवान श्री राम की आराधना पूजा-पाठ अर्चना करते हुई नजर आ रहे हैं। जबकि जिस फोटो को जीतू पटवारी ने पोस्ट किया वह एडिट की हुई थी। इसे लेकर बीजेपी नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे विधायक रमेश मेंदोला, सांसद शंकर लालवानी एवं पूर्व महापौर मालिनी गौड़, विधायक आकाश विजयवर्गीय ने सभी ने इंदौर डीआईजी हरिनारायण चारी मिश्रा से शिकायत की और उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। वहीं इंदौर डीआईजी ने भी बीजेपी नेताओं से मिली शिकायत पर जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। जिसके बाद आज सुबह पूर्व मंत्री पर मामला दर्ज किया गया।

भारत में 21 लाख के पार पहुंची कोरोना मरीजों की संख्या, एक दिन में 64 हजार से अधिक मामले

नेशनल डेस्क। देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति दिनोंदिन बिगड़ती जा रही है। 24 घंटे में रिकॉर्ड 64 हजार से अधिक नये मामले सामने आने से देश में संक्रमितों की संख्या 21.53 लाख हो गई है। वहीं 861 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 43,379 पर पहुंच गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में इस समय 6,28, 747 एक्टिव केस हैं जबकि 14,80,884 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। मंत्रालय के अनुसार देश में 24 घंटे के अंदर 861 लोगों की मौत हुई है जबकि रिकवरी रेट-68.78 हो चुका है। वहीं राज्यों की बात करें तो महाराष्ट्र में 24 घंटों में एक बार फिर रिकॉर्ड 12,822 मामले सामने आए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर आंध्र प्रदेश है, यहां पर पिछले 24 घंटों में 10,080 नए कोरोना केस मिले हैं। अगस्त महीने के शुरुआती हफ्ते में ही भारत में सबसे ज्यादा कोरोना के नए मामले सामने आ चुके हैं। ये संख्या अमेरिका और ब्राजील से भी ज्यादा है। कोरोना से मौत के मामले में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर पहुंच गया है।

सेना का डबल एक्शन, एलआासी में पाकिस्तानी सेना और कुलगाम में आतंकियों को दे रही मुंहतोड़ जवाब

नेशनल डेस्क। पाकिस्तानी सैनिकों ने रविवार को एक बार फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन कर जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके में नियंत्रण रेखा के पास गोलाबारी की। हालांकि भारतीय सैनिकों ने भी इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों ने रविवार सुबह छह बजकर 45 मिनट पर संघर्ष विराम का उल्लंघन कर पुंछ जिले के मानकोट सेक्टर में मोटरर से गोले दागे और भारी गोलीबारी की। पाकिस्तान पिछले एक सप्ताह से पुंछ जिले में भारतीय सेना की चौकियों और सीमावर्ती इलाकों को लगातार निशाना बना रहा है। वहीं दूसरी तरफ जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में रविवार तड़के आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके की घेराबंदी की और तलाश अभियान चलाया। जिले के सिघनपुरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके की घेराबंदी की और तलाश अभियान चलाया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तलाश अभियान तब मुठभेड़ में बदल गया जब आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाई। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ अभी चल रही है।

वेनेजुएला में हमले के दोषी अमेरिका के 2 पूर्व सैनिको को 20 साल की सजा

कराकस। वेनेजुएला की एक अदालत ने अमेरिकी विशेष बल के दो पूर्व सैनिकों को देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पद से हटाने की कोशिश के तहत समुद्री तट पर किए गए हमले में उनकी भूमिका के लिए 20-20 साल कारावास की सजा सुनाई है। 'ग्रीन बैरेट के नाम से जाने वाले अमेरिकी सेना विशेष बल के पूर्व कर्मी ल्यूक डेनमैन और ऐरान बेरी के वकीलों ने कहा कि उन्हें शुक्रवार रात हुई मामले की सुनवाई में शामिल नहीं होने दिया गया, जो कि बचाव के उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। मादुरो के मुख्य अभियोजक तारेक विलियम साब ने शुक्रवार देर रात फैसला सुनाते हुए कहा, ''उन्होंने (सैनिकों ने) तथ्यों के संबंध में अपनी जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है। साब ने ट्वीट किया कि तीन मई को हुए हमले में सहायता करने के आरोप में कई अन्य अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही जारी रहेगी। मादुरो को अपदस्थ करने से मकसद से कोलंबिया में अस्थायी प्रशिक्षण शिविरों से एक ऑपरेशन चलाया गया था। यह ऑपरेशन नाकाम रहा था और इसमें कम से कम आठ विद्रोही सैनिक मारे गए थे जबकि 60 से अधिक लोगों को जेल में बंद किया गया था। 'सिल्वरपूल यूएसए नाम की फ्लोरिडा की सुरक्षा कंपनी चलाने वाले एक अन्य पूर्व अमेरिकी सैन्यकर्मी बेरेट जॉर्डन गोड्रेयू ने इस असफल हमले की जिम्मेदारी ली थी। वेनेजुएला के अभियोजकों ने उनकी गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। ऐसा माना जाता है कि गोड्रेयू इस समय अमेरिका में हैं और उनके खिलाफ हथियार तस्करी कानून के उल्लंघन के मामले में जांच चल रही है। साब ने कहा कि डेनमैन और बेरी को षड्यंत्र रचने, अवैध हथियारों की तस्करी और आतंकवाद के मामले में दोषी पाया गया है, लेकिन दोनों के वकीलों का कहना है कि सुनवाई के दौरान कई प्रकार की अनियमतिताएं बरती गईं और उन्हें उनके मुवक्किलों से मिलने या बात करने नहीं दिया गया।

इंतजार की घड़ियां खत्म: 12 अगस्त को मिलेगी पहली कोरोना वैक्सीन

इंटरनेशनल डेस्क। पूरी दुनिया के देश जहां कोरोना वैक्सी बनाने की होड़ में लगे है वहीं रूस ने सबसे पहले वैक्सीन बनाने का दावा कर चौंका दिया है। रूस की पुतिन सरकार का दावा है कि उसने दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन तैयार कर ली है। रूसी मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर ओलेग ग्रिडनेव ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वैक्सीन का रजिस्ट्रेशन 12 अगस्त को होगा। यह वैक्सीन रूस के रक्षा मंत्रालय और गामालेया नेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एपिडिमियोलॉजी एंड माइक्रोबायलॉजी ने तैयार की है। रूस ने दावा किया है कि उसने कोरोना की जो वैक्सीन तैयार की है वह क्लीनिकल ट्रायल में 100 फीसदी सफल रही है। ट्रायल की रिपोर्ट के मुताबिक, जिन वॉलंटियर्स को वैक्सीन दी गई उनमें वायरस के खिलाफ इम्युनिटी विकसित हुई है। डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर ओलेग ने एक कैंसर सेंटर के उद्घाटन पर कहा, वैक्सीन के तीसरे चरण का ट्रायल चल रहा है। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वैक्सीन सुरक्षित साबित हो। इसलिए यह सबसे पहले बुजुर्गों और मेडिकल प्रोफेशनल्स को दी जाएगी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि किसी वॉलंटियर्स में निगेटिव साइडइफेक्ट नहीं देखने को मिले। लैब को वैक्सीन के अप्रूवल का इंतजार है। इसकी अनुमति मिलते ही यह लोगों तक पहुंचाई जा सकेगी। देश में सितम्बर से वैक्सीन का उत्पादन शुरू किया जाना है।

वहीं, अक्टूबर से राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान शुरू किए जाने की भी योजना है। वैक्सीन की पहली डोज डॉक्टर्स और टीचर्स को दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री मिखायल मुराशको के मुताबिक, दूसरी वैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल चल रहा है।

महिंदा राजपक्षे ने चौथी बार श्रीलंकाई प्रधानमंत्री के तौर पर ली शपथ

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने ऐतिहासिक बौद्ध मंदिर में रविवार को देश के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली। श्रीलंका पीपुल्स पार्टी के 74 वर्षीय नेता को नौंवी संसद के लिए पद की शपथ उनके छोटे भाई एवं राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने केलानिया में पवित्र राजमाहा विहाराय में दिलाई। महिंदा नीत एसएलपीपी ने पांच अगस्त के आम चुनाव में जबर्दस्त जीत हासिल करते हुए संसद में दो तिहाई बहुमत हासिल किया। इस बहुमत के आधार पर वह संविधान में संशोधन कर पाएगी जो सत्ता पर शक्तिशाली राजपक्षे परिवार की पकड़ को और मजबूत बनाएगा। महिंदा को 5,000,00 से अधिक व्यक्तिगत वरीयता के मत मिले। चुनावी इतिहास में पहली बार किसी प्रत्याशी को इतने मत मिले हैं। एसएलपीपी ने 145 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज करते हुए अपने सहयोगियों के साथ कुल 150 सीटें अपने नाम की जो 225 सदस्यीय सदन में दो तिहाई बहुमत के बराबर है।

टापू पर चीन की नजर, युद्धाभ्यास की खबरों के बीच ताइवान ने तैनात किए ऐंटी-शिप मिसाइल से लैस एफ-16 फाइटर

ताइपे। चीन और ताइवान के बीच तनाव बरकरार है। हाल ही में दक्षिण चीन सागर में ताइवान और अमरीका के बीच युद्धाभ्यास को लेकर दोनों के बीच भारी टकराव देखा गया। इस दौरान कई बार अमरीकी और चीनी नौसेना ने सीमाओं का उल्लंघन भी किया। चीन से ताइवान को लगातार खतरा बना हुआ है, ऐसे में ताइवान की एयरफोर्स ने दो मल्टिरोल स्न-16 फाइटर इस हफ्ते लॉन्च कर दिए थे। एंटी-शिप मिसाइल से लैस फाइटर हुआलीन एयरफोर्स बेस से लॉन्च किए गए थे। दरअसल, कुछ वक्त पहले इस तरह की खबर आई थी कि चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी ताइवान के परातस टापू को कब्जाने के लिए एक ड्रिल करने वाली है। चीन इस टापू को अपना क्षेत्र डोगशा बताता है। ये टापू दक्षिण चीन सागर के उत्तरी हिस्से में मौजूद है। आशंका जताई गई है कि एयरक्राफ्ट इस डर से लॉन्च किए गए हैं कि कहीं टापू पर अपना कब्जा न जमाए। वह कभी भी अपना युद्धाभ्यास शुरू कर सकता है। इस बारे में ताइवान को मई में आई एक रिपोर्ट के जरिए पता चला था। जो ड्रिल करने वाला है, उसमें बड़ी संख्या में मरीन सैनिक, शिप, वरक्राफ्ट और हेलिकॉप्टर शामिल होंगे। हालांकि,चीन के मिलिट्री विशेषज्ञ ने इस रिपोर्ट का खंडन किया है। दक्षिण चीन सागर के जिस क्षेत्र पर चीन ने नजर जमाई हुए है, वह खनिज और ऊर्जा संपदाओं से भरा पड़ा है। चीन का दूसरे देशों टकराव कभी तेल,कभी गैस तो कभी मछलियों के कारण होता है। वह इसी तरह से वियतनाम पर अभी अपना दावा ठोकता रहता है। इन क्षेत्रों की संपदा को वह लूटना चाहता है।

बेरूत विस्फोट के बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प, 480 लोग घायल

बेरूत। लेबनान की राजधानी बेरूत में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प में घायल हुए लोगों की संख्या 480 हो गई है। लेबनान की अल मनार न्यूज चैनल के रविवार को यह जानकारी दी। चैनल ने बताया कि प्रदर्शनकारियों तथा सुरक्षा बलों के बीच बेरूत में हुई हिंसक झड़प के दौरान शनिवार को घायलों की संख्या 490 हो गई। इससे पहले लेबनान की रेड क्रॉस सोसाइटी ने लगभग 238 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। क्रॉस सोसाइटी ने लगभग 238 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। क्रॉस सोसाइटी ने लगभग 238 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। उल्लेखनीय है कि गत मंगलवार को बेरूत पोत पर हुए भीषण विस्फोट के लिए अधिकारियों को जम्मेदार ठहराते हुए लोग शनिवार को राजधानी बेरूत की सड़कों पर उतर आए और सरकार के इस्तीफे तथा सामाजिक सुधारों की मांग करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने चार मंत्रालयों तथा द एसोसिएशन ऑफ बैंक्स की इमारतों पर कब्जा कर लिया था। वहीं हिंसक प्रदर्शन के दौरान एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई।

नागासाकी तबाही में बचे लोगों ने 75वीं बरसी पर की अपील- विश्व में परमाणु हथियारों पर लगे प्रतिबंध

इंटरनेशनल डेस्क। जापान के नागासाकी में हुई अमेरिकी बमबारी के रविवार को 75 साल पूरे होने पर शहर के मेयर और हमले में जीवित बचे लोगों ने अपने देश समेत विश्वभर के नेताओं से परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के लिए और कदम उठाने की अपील की है। अमेरिका के बी-9 बमवर्षक बॉकस्कार ने 9 अगस्त, 1945 को पूर्वाह्न 11 बजकर दो मिनट पर नागासाकी पर 4.5 टन का प्लूटोनियम बम ''फैट मैन गिराया था। हमले के जीवितों समेत अन्य लोगों ने इस दौरान मारे गए 70,000 से अधिक लोगों की याद में रविवार को 11 बजकर दो मिनट पर एक मिनट का मौन धारण किया। कोरोना वायरस के चलते इस कार्यक्रम में कम लोगों को यहां आने की अनुमति थी। नागासाकी पर हमले से तीन दिन पहले अमेरिका ने हिरोशिमा पर पहला परमाणु बम गिराया था, जिससे यह शहर तबाह हो गया था। इस हमले में 1,40,000 लोगों की मौत हो गई थी। यह दुनियाभर में पहला परमाणु हमला था। जापान ने 15 अगस्त को आत्मसमर्पण कर दिया था, जिससे द्वितीय विश्व युद्ध का अंत हुआ था। हमले में जीवित बचे कई लोगों को विकिरण के संपर्क में आने के कारण कैंसर या कोई न कोई अन्य बीमारी हो गई और उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ा। नागासाकी के मेयर तोमिहिसा ताउए ने शांति घोषणा में जापान सरकार और सांसदों से अपील की कि वे परमाणु हथियार निषेध संधि पर जल्द हस्ताक्षर करें। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों का खतरा पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। जापान ने संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। उसका कहना है कि वह परमाणु और गैर परमाणु देशों के बीच अंतर पाटने में भूमिका निभाना चाहता है।

कोरोना से राहत के आसार नहीं: दुनिया में 2 करोड़ के करीब पहुंचे मरीज, युएस में बना दिल दहलाने वाला नया रिकॉर्ड

इंटरनेशनल डेस्क। चीन से फैला कोरोना वायरस रोजाना हजारों लोगों को तेजी अपनी चपेट में लेता जा रहा है जिससे मौतों का आंकड़ लगातार बढ़ता जा रहा है। दुनिया में कोरोना वायरस मरीजों की कुल संख्या दो करोड़ के नजदीक पहुंचने वाली है। आंकड़ों के अनुसार, अभी तक 19,804,408 लोगों को वायरस ने चपेट में ले लिया है। इसमें से 729,586 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, तेजी से मरीज ठीक भी हो रहे हैं। अभी तक 12,721,186 लोग वायरस से रिकवर हो चुके हैं। अमेरिका ने सबसे ज्यादा कोरोना वायरस के मामलों पर नया रिकॉर्ड बनाया है। अमेरिका ने सबसे ज्यादा कोरोना वायरस के मामलों पर नया रिकॉर्ड बनाया है। देश में कुल संक्रमितों की संख्या 50 लाख के पार पहुंच गई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में इस समय कोरोना वायरस के 51,49,723 मरीज हैं। 165,070 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2,638,470 ठीक हो चुके हैं। पिछले 24 घंटों में अमेरिका में 54,199 मामले सामने आए हैं। अमेरिका में 2,346,183 एक्टिव केस हैं। इसके अलावा, 18,020 लोग गंभीर हैं, जिनका अस्पतालों में इलाज चल रहा है। दुनिया में सबसे ज्यादा कोरोना जांचें भी अमेरिका में हुई हैं। अभी तक वहां 64,610,547 लोगों की कोरोना जांच हो चुकी है। ब्राजील में कोविड-19 से मरने वाले लोगों की संख्या देश में संक्रमण का पहला मामला सामने आने के पांच महीने बाद शनिवार को 1,00,000 के करीब पहुंच गई। इस वैश्विक महामारी से राहत के कोई आसार नजर नहीं आ रहे। 21 करोड़ की आबादी वाले देश में मई के बाद से इस महामारी से हर दिन 1,000 से अधिक लोग जान गंवा रहे हैं और शुक्रवार रात तक कुल 99,572 लोगों ने दम तोड़ दिया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस के कुल 2,962,442 मामले आए हैं। संक्रमण और मौत के मामलों में अमेरिका के बाद ब्राजील दूसरे नंबर पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि अन्य कई देशों की तरह यहां भी पर्याप्त जांच के अभाव में मामलों की वास्तविक संख्या एवं मौत के सही आंकड़े सामने नहीं आए हैं। मिस्र में कोरोना वायरस के 167 नये मामले दर्ज किए गए हैं और संक्रमितों की संख्या अब 95314 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि देश में लगातार सातवें दिन कोविड-19 संक्रमण के मामलों में वृद्धि 200 से कम रही।

यहां शनिवार को इस महामारी के कारण 21 मरीजों की मौत हुई और इसके बाद मृतकों का आंकड़ा 4992 तक पहुंच गया। वहीं 1119 लोगों को इस संक्रमण से ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गयी। देश में अब तक 52672 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। इसराईल में कोरोना के 1333 नये मामले दर्ज किये गये हैं और संक्रमितों की संख्या बढ़कर 82324 हो गई है। इसराईल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी।

वर्ल्ड बैंक ने पाकिस्तान को लगाई फटकार, जल बंटवारा मामले में मध्यस्थता से इनकार

इस्लामाबाद। विश्व बैंक ने पाकिस्तान को फटकार लगाते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच जल बंटवारा समझौते पर मध्यस्थता से इनकार कर दिया है। विश्व बैंक ने पाकिस्तान के जल बंटवारा समझौते के विवाद को निपटाने के लिए एक तटस्थ विशेषज्ञ या कोट 'ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) की नियुक्ति के अनुरोध को ठुकराते हुए कहा है कि दोनों देशों को आपसी सहमति के आधार पर इस मामले को निपटाना चाहिए। समाचारपत्र डॉन की रिपोर्ट के अनुसार विश्व बैंक के पाकिस्तान के पूर्व कंट्री डायरेक्टर पच्चमुथु इलंगोवन ने कहा है कि इस विवाद को हल करने के लिए किस विकल्प को अपनाना है, यह दोनों देशों को आपसी सहमति से तय करना है। श्री इलंगोवन ने स्पष्ट किया कि सिंधु जल संधि 1960 के समझौते में इस मामले को लेकर विश्व बैंक के लिए एकतरफा निर्णय लेने का कोई प्रावधान मौजूद नहीं है। दोनों देशों के बीच 1960 के इस समझौते में विश्व बैंक ने मध्यस्थता की थी। समझौते के अनुसार भारत ब्यास, रावी और सतलुज नदियों के जल को नियंत्रित करता है जबकि पाकिस्तान सिंधु, चिनाब और झेलम नदी के जल को नियंत्रित करता है। पाकिस्तान को भारत की किशनगंगा पनबिजली परियोजना और रातले जलविद्युत परियोजना पर आपत्ति है। पाकिस्तान का कहना है कि दो पनबिजली संयंत्रों के डिजाइन से समझौते का उल्लंघन होता है। भारत के किशनगंगा और रातले पनबिजली परियोजनाओं का निर्माण शुरू करने के बाद पाकिस्तान ने इस मामले में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की मांग करता रहा है। 2016 में पाकिस्तान ने विश्व बैंक से शिकायत की और इस मामले पर निर्णय लेने के लिए कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन नियुक्त करने का आग्रह किया जबकि भारत ने मतभेदों को सुलझाने के लिए एक तटस्थ विशेषज्ञ की मांग की थी।

पाकिस्तान को भारत के खिलाफ औआईसी को धमकाना पड़ा भारी, सऊदी अरब ने यूं लिया बदला

इस्लामाबाद। कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ को धमका कर पाकिस्तान खुद अपने ही जाल में बुरी तरह फंस गया है। आर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कंट्रीज को तोड़ने की धमकी देना पाकिस्तान को इतना महंगा पड़ गया है कि इमरान सरकार अब अपने ही बयान पर पछता रही है। भारत के खिलाफ धमकाने का करारा जवाब देते हुए सऊदी अरब ने पाकिस्तान को उधार में तेल देना बंद कर दिया है। पाकिस्तान अब गिड़गिड़ा रहा है लेकिन सऊदी अरब अब कोई ध्यान ही नहीं दे रहा है। बता दें कि आर्थिक बदहाली से जूझ रहे पाकिस्तान ने दिवालिया होने से बचने के लिए साल 2018 में सऊदी अरब से 6.2 (करीब 46 हजार करोड़ रुपए) अरब डॉलर का कर्ज लिया था। कर्ज पैकेज के तहत पाकिस्तान को 3.2 अरब डॉलर (करीब 24 हजार करोड़ रुपए) का तेल उधार में देने का प्रावधान किया गया था। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, इस प्रावधान की मियाद दो महीने पहले ही खत्म हो चुकी है। इसका अब तक नवीनीकरण नहीं हुआ है। पाकिस्तान ने नाराजगी में चीन से उधार लेकर सऊदी अरब से लिए कर्ज में से एक अरब डॉलर (करीब साढ़े सात हजार करोड़ रुपए) की किस्त समय से चार महीने पहले ही चुका दी है लेकिन बाकी कर्ज चुकाने के लिए भी वह चीन का मुंह ताक रहा है। दरअसल, पिछले दिनों पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने एक टीवी कार्यक्रम में सऊदी अरब को धमकी दे डाली थी शाह ने कहा था कि कश्मीर मुद्दे पर के विदेश मंत्रियों की आपात बैठक नहीं बुलाई तो पाकिस्तान खुद यह बैठक बुला सकता है। उन्होंने कहा, अगर सऊदी अरब बैठक नहीं बुलाता है तो प्रधानमंत्री इमरान खान से यह आग्रह करने के लिए विवश हो जाऊंगा कि वे खुद उन इस्लामिक देशों की बैठक बुलाएं, जो कश्मीर के मुद्दे पर हमारा साथ देने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान को सऊदी अरब से उधार पर कच्चा तेल मई से नहीं मिला है। साथ ही उसे आपूर्तिकर्ता की ओर से इस सुविधा को जारी रखने के बारे में अभी कोई जवाब भी नहीं मिला है। अभी कोई जवाब भी नहीं मिला है। अभी कोई जवाब भी नहीं मिला है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जबकि पाक का अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (ढ्ढरूस्न) कार्यक्रम भी पिछले पांच माह से तकनीकी तौर पर स्थगित है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी ऋण को वापस करने तथा तेल सुविधा की मियाद समाप्त होने से केंद्रीय बैंक के आधिकारिक मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ सकता है । यह भंडार शुद्ध रूप से कर्ज लेकर बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

द. कोरिया में सलाधार बारिश में कम से कम 30 लोगों की मौत

सियोल। दक्षिण कोरिया में एक हफ्ते से ज्यादा वक्त से जारी मूसलाधार बारिश संबंधी घटनाओं में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और 12 लोग लापता हो गए। सरकार ने आगे और बारिश होने की चेतावनी देते हुए रविवार को यह जानकारी दी। गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में बताया कि भूस्खलन, बाढ़ एवं अन्य घटनाओं में एक हफ्ते में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और 12 लोग लापता हो गए। इनमें से पिछले दो दिन में 13 लोगों की मौत हुई और दो लोग लापता हुए। बृहस्पतिवार और शुक्रवार को हुई बारिश के बाद दक्षिणी क्षेत्र में आवासीय इलाकों, सड़कों और खेतों में बाढ़ आने से 3,700 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। सुरक्षा मंत्रालय ने कहा कि सियोल क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र में रविवार को और ज्यादा बारिश होने की आशंका है।

विफल तख्तापलट मामला: वेनेजुएला दो पूर्व अमेरिकी सैनिकों को 20 साल का कैद

कराकास। वेनेजुएला की एक अदालत ने रविवार को राष्ट्रपति निकोलस मादुरों को सत्ता से हटाने की विफल कोशिश करने के मामलों में अमेरिका के दो पूर्व सैनिकों को 20 साल के लिए कारावास में भेज दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने ल्यूक डेनमैन तता आयरन बेरी को तख्तापलट की साजिश रचने, अवैध हथियारों की तस्करी करने तथा आतंकवाद के मामले में दोषी पाया। इन दोनों को वेनेजुएला के अधिकारियों ने 13 लोगों के साथ इस वर्ष मई महीने में कोलंबिया से समुद्र के रास्ते वेनेजुएला में प्रवेश करते समय गिरफ्तार किया था।

चेक गणराज्य में रिहायशी इमारत में आग लगने से 10 लोगों की मौत

प्राग। पूर्व चेक गणराज्य के बोहुमिन शहर में स्थित एक रिहायशी इमारत में आग लगने से शनिवार को 10 लोगों की मौत हो गयी। पुलिस प्रवक्ता लुकस पोप्प ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, बोहुमिन शहर में स्थित एक रिहायशी इमारत की 11वीं मंजिल पर आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई। डॉक्टरों, डॉक्टर, अग्निशमन दल और पुलिस की टीमें घटना स्थल पर तैनात हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच की जा रही है।

सिंधु जल संधि: विश्व बैंक ने निष्पक्ष विशेषज्ञ या मध्यस्थता अदालत नियुक्त करने में असमर्थता जताई

इस्लामाबाद। विश्व बैंक ने भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से लंबित जल विवाद के समाधान के लिये एक निष्पक्ष विशेषज्ञ या मध्यस्थता अदालत (सीओए) नियुक्त करने पर स्वतंत्र फैसला लेने में सक्षम नहीं होने की बात कही है। यहां मीडिया में आई एक खबर में यह कहा गया है। खबर के मुताबिक विश्व बैंक ने यह भी कहा कि दोनों देशों को द्विपक्षीय तरीके से एक विकल्प चुनना चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान ने नौ साल की लंबी बातचीत के बाद 1960 में एक संधि पर हस्ताक्षर किये थे। इसमें वाशिंगटन स्थित विश्व बैंक भी एक हस्ताक्षरकर्ता था। यह संधि नदियों के जल के उपयोग के बारे में दोनों देशों के बीच सहयोग और सूचना के आदान-प्रदान के लिये एक तंत्र का प्रावधान करती है। हालांकि, संधि को लेकर भारत और पाक के बीच असहमति एवं मतभेद रहे हैं। डॉन अखबार ने पाकिस्तान के लिए विश्व बैंक के पूर्व निदेशक पी. इल्लनगोवान के हवाले से कहा है, ''भारत और पाकिस्तान को इस बारे में मिल बैठकर तय करना चाहिए कि आगे कौन सा विकल्प होगा।'' उन्होंने इस्लामाबाद में अपने पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के अवसर पर यह कहा। उन्होंने बताया कि दो जलविद्युत परियोजनाओं के विवाद के हल के लिये पाकिस्तान ने मध्यस्थता अदालत नियुक्त करने का अनुरोध किया था, जबकि भारत ने एक निष्पक्ष विशेषज्ञ की मांग की थी। उन्होंने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि के तहत दो टकरावपूर्ण स्थितियों को लेकर विश्व बैंक दोनों देशों की सरकारों को अपने मतभेद दूर करने का रास्ता तलाशने और आगे बढ़ने के लिये प्रेरित कर रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या बैंक अपनी भूमिका निभाने से हिचक रहा है, जबकि वह संधि का हिस्सा था और चार साल से सीओए के लिये पाकिस्तान के अनुरोध को दबाये बैठा है, इस पर उन्होंने कहा, ''संधि में विश्व बैंक के लिये ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि वह स्वतंत्र फैसला ले। '' दाइमर-बाशा बांध को वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रति बैंक के अनिच्छुक होने के बारे में पूछे जाने पर इल्लनगोवान ने कहा कि सिंधु नदी पर दासु-1 और दासु-2 जैसी अन्य परियोजनाओं की बैंक सहायता कर रहा है, लेकिन विवादित क्षेत्र (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) में दाइमर-बाशा के होने को लेकर भारत ने इस पर आपत्ति जताई है तथा विवादित परियोजनाओं को वित्त मुहैया करने की बैंक की नीति नहीं है। पाकिस्तान ने नीलम नदी पर 330 दिसंबर 2016 में बैंक ने सीओए या एक निष्पक्ष विशेषज्ञ की नियुक्ति की प्रक्रिया अस्थायी रूप से रोक दी थी तथा इस विषय पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थता शुरू तंत्र पर संधि के आलोक में सहमति की ओर कैसे बढ़ा जाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वतंत्रता सेनानि दिनकरभाई देसाई को सम्मानित किया गया

नवसारी,(माहिती) भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर स्वतंत्रता सेनानि दिनकरभाई देसाई को सम्मानित किया गया ! इस वर्ष राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया जाता है कोरो महामारी के मद्देनजर, भारत सरकार ने घर पर स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया दिनकरभाई देसाई को सम्मानित करते हुए जो नवसारी के स्वतंत्रता संग्राम में आए थे, जब वे आए थे हो गया है। 14 और 15 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि में, हमारा देश स्वतंत्र हो गया। यह आजादी हमारे पूर्वजों और सम्माननीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और वीरता के वर्षों का परिणाम है । स्वतंत्रता संग्राम में लड़ने वाले सभी नायक और नायिकाएं, असाधारण साहसिक और दूरदर्शिता थी। सरकार द्वारा 9 अगस्त को देश के स्वतंत्रता सेनानियों की दिल्ली विशेष सम्मान दिया जाता है लेकिन कोरो महामारी के मद्देनजर सरकार ने स्वतंत्रता प्रदान की

अपने घरों में सेनानियों को सम्मानित करने के महत्वपूर्ण निर्णय के बाद नवसारी के स्वतंत्र नवसारी के प्रांतीय अधिकारी तुषार, शिवसेना के दिनकर देसाई के निवास पर सरकारी प्रतिनिधि के रूप में दिनकर भाई देसाई को जानी के हाथों शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया है।

नवसारी के दिनकरभाई देसाई ने ब्रिटिश स्वतंत्रता के 18 वर्ष में 1942 में अगेजो भारत छोड़े अन्दोलन में सामेल हुआ थे.लड़ाई के कारण 16 महीने की सजा हुई। 16 साल की उम्र में, उन्होंने गांधीजी की तपस्या के सिद्धांतों को स्वीकार किया

युवाओं जीवन के लिए खादी पहनना स्वीकृत उस समय में केवल 3 हाथ से बुनी खादी है

कई सालों तक उसने केवल सफेद खादी और सोने–चांदी–हीरे ही पहने जीवन के लिए गहने छोड़ दिया। 1962 में चीनी आक्रमण के दौरान अंतिम स्वर्ण सैनिक का योगदान था की पेशकश की। पुराना सूरत जिला जिसमें वर्तमान सूरत, वलसाड, नवसारी जिला शामिल हैं

उन्होंने हलपति सेवा संघ के माध्यम से हलपति समुदाय को आ. जीविका, आवास और शिक्षा प्रदान करने का काम किया। पिछड़ा

कक्षा के छात्रों के लिए 11 आश्रम विद्यालय और 12 उच्च विद्यालय। कई गाँवों के गरीब हलपति आवास अभी भी उनकी सेवा के गवाह हैं। गुजरात विधानसभा के सदस्य के रूप में कार्य करना वर्तमान में करी 96 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त हैं।

श्रेय अस्पताल मामले में तीन दिन बाद भी एफआईआर नहीं, कांग्रेस ने उठाए सवाल

अहमदाबाद, शहर के नव. रंगपुरा क्षेत्र के श्रेय अस्पताल अग्निकांड को तीन दिन बीत जाने के बावजूद एफआईआर दर्ज होने पर कांग्रेस ने सवाल उठाया है।

कांग्रेस विधायक इमरान खेडावाला ने सवाल किया है कि आखिर सरकार किसे बचाने का प्रयास कर रही है? बता दें कि कोरोना मरीजों के उपचार के लिए चिह्नित किए गए अहमदाबाद के नवरंगपुरा क्षेत्र स्थित श्रेय अस्पताल में 6 अगस्त को तड़के आग लग गई थी।

गुरुवार तड़के करीब 3 बजे अस्पताल के चौथी मंझिल पर भीषण आग लग गई।

आग की इस घटना में अस्पताल के आईसीयू में उपचाराधीन 8 मरीजों की मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर अहमदाबाद के जमालपुर–खाडिया निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस विधायक इमरान खेडावाला ने ट्वीट पर एक वीडियो साझा कर सरकार से तीन सवाल किए हैं।

खेडावाला ने लिखा कि अहमदाबाद के श्रेय अस्पताल अग्निकांड में 8 मरीजों की मौत के 3 दिन बीत जाने के बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई,

क्या सरकार किसी को बचाना चाहती है? अग्निकांड में मारे लोगों के परिजनों को न्याय कौन दिलाएगा? क्या सरकार गुजरात हाईकोर्ट के आदेश का इंतजार कर रही है?

दूसरी ओर अग्निकांड का मामला हाईकोर्ट में पहुंच गया है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की गई है।

राजस्व मंत्री कौशिक पटेल के चचेरे भाई ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, गुजरात के राजस्व मंत्री कौशिक पटेल के भाई गौतम पटेल ने शहर के सीलज स्थित अपने निवास पर फांसी लगाकर जान दे दी।

आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सोला सिविल अस्पताल भेज मामले की जांच शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक राजस्व मंत्री कौशिक पटेल के भाई गौतम पटेल अहमदाबाद के शीलज क्षेत्र के शालीन बंगलो में रहते थे। कैमिकल व्यवसाय जुड़े गौतम पटेल दोपहर 12 बजे मकान के दूसरी मंझिल स्थित अपने कमरे में गए, जहां फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

करीब 15–20 बाद गौतम पटेल की पत्नी कमरे में गई और दरवाजा खोलते ही भीतर का दृश्य देख कांप उठी।

घटना के वक्त गौतम पटेल की पत्नी के अलावा पुत्र और पुत्रवधु भी घर पर ही थे। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए सोला सिविल अस्पताल भेज दिया।

आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चलाद्य 63 वर्षीय गौतम पटेल राजस्व मंत्री कौशिक पटेल के चचेरे भाई थे।

धानपुर में तेंदुए ने 7 साल की बच्ची को फाड़ खाया

क्रांति समय सुरत

दाहोद, पिछले एक महीने से धानपुर तहसील में तेंदुए का आतंक बढ़ता जा रहा है। तहसील के खजूरी, झाबु, काटु और आमली मेनपुर जैसे गांव के लोग तेंदुए की दहशत में जी रहे हैं। गत रात्रि काटु गांव की एक सात वर्षीय बच्ची को तेंदुए ने फाड़ खायाद्य इस घटना के बाद लोगों में दहशत और बढ़ गई है।

जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले की धानपुर तहसील के काटु गांव की 7 वर्षीय उर्मिला नामक मासूम बच्ची रात्रि का भोजन कर 8 बजे घर से बाहर निकली थी।

उस वक्त घात लगाकर बैठे तेंदुए ने उर्मिला को गले से पकड़ लिया और जंगल में घसीट ले गया।

घटना की खबर लगते ही स्थानीय लोगों समेत वन विभाग की टीम जंगल में बच्ची के तलाश में निकल पड़ेद्य करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद उर्मिला क्षत विक्षत शव बरामद हुआ।

तेंदुए ने बच्ची का आधे से ज्यादा शरीर फाड़ खाया थाद्य देर रात बच्ची का शव पोस्टमार्टम के लिए धानपुर के सिविल अस्पताल में भेज वन विभाग ने आगे की कार्रवाई शुरू की।

जन्माष्टमी पर शामलाजी मंदिर श्रद्धालुओं के लिए खुला रहेगा

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, कोरोना संकट के चलते देवभूमि द्वारका स्थित द्वारकाधीश मंदिर जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं के बंद रहेगाद्य लेकिन उत्तरी गुजरात स्थित शामलाजी मंदिर श्रद्धालुओं के लिए खुला रहेगा। कोरोना गाइडलाइन के मुताबिक श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर सकेंगे।

जन्माष्टमी को सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक श्रद्धालु सरकारी द्वारा जारी नीति नियमों के मुताबिक शामलाजी के दर्शन कर सकते हैं। जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण जन्म के समय मंदिर में केवल पुजारी और एक सेवक को प्रवेश मिलेगा।

अन्य कोई भी मंदिर में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

इतना ही नहीं मंदिर परिसर में किसी को टहलने तक की अनुमति नहीं है।

मंदिर में प्रसाद और भंडारा भी बंद रहेगाद्य शोभायात्रा, मटकीफोड जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी रद्द कर दिया गया है।

ऑनलाइन खरीदी के नाम पर 18 लाख की ठगी,तीन शख्स गिरफ्तार

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, शहर की सोला पुलिस ने सस्ती ऑनलाइन खरीदी के नाम पर चार महीने में 1100 से अधिक लोगों को 18 लाख रुपए का चूना लगाने वाले तीन शख्सों को गिरफ्तार कर लियाद्य जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद की सोला पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के चांदलोडिया क्षेत्र के विश्वकर्मा मंदिर के निकट श्रीजी पान पार्लर पर कुछ शख्स टेलिग्राम एप्लिकेशन पर सस्ती कीमतपर मोबाइल, लेपटोप और एलईडी टीवी जैसे इलेक्ट्रोनिक उपकरण उपलब्ध कराने का विज्ञापन जारी कर लोगों के साथ ठगी कर रहे हैं।

सूचना के आधार पर सोला पुलिस ने नवा वाडज के अनील जोशी, चांदलोडिया के विशाल शर्मा और ध्रुव हिंगोल को गिरफ्तार कर लियाद्य पकड़े तीनों शख्स महंगे इलेक्ट्रोनिक सामान सस्ते दाम पर उपलब्ध कराने का दावा कर 50 प्रतिशत रकम फोन, गूगल पे या ऑनलाइन अपने एकाउंट में ट्रांसफर करवाते। पैमेन्ट मिलने के बाद ग्राहक से तीन दिन बाद सामान मिलने का वादा करते और उसके बाद उस ग्राहक का फोन नंबर ब्लॉक कर देते।

पूछताछ में पता चला कि तीन शख्सों ने 4 महीने में 1100 से भी ज्यादा लोगों के साथ रु. 18 लाख से भी अधिक की ठगी की है

गुजरातभर में दो दिन मूशलाधार बरसाती माहौल, बारिश का अनुमान

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, गुजरातभर में बरसाती माहौल बरकरार है और राज्य में भारी बारिश होने का अनुमान हैद्य बंगाल की खाडी में लो प्रेशर और अपर एयर साइक्लोनिक सिस्टम के चलते आज और कल हलके से भारी बारिश हो सकती है। इस बीच पिछले 24 घंटों में राज्य की 234 से ज्यादा तहसीलों में बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश तापी के वालोद में 5.48 ईंच बारिश दर्ज हुई। आणंद जिले के आणंद शहर में 4.75 ईंच, खेडा के कपड़वंज में 4.5 ईंच, मेहमदाबाद और महुधा में 4 ईंच बारिश हुई। जबकि तापी के व्यारा में 93 मिमी और डोलवण में 95 मिमी बारिश दर्ज हुई।

सूरत के बारडोली में 96 मिमी, मांगरोल में 94 मिमी बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में राज्य की पांच तहसीलों में 4 ईंच से अधिक बारिश हुई है। राज्य के 19 तहसीलों में 3 ईंच से ज्यादा, 32 तहसीलों में 2 ईंच, 70 तहसीलों में 1 ईंच से भी अधिक बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार और सोमवार को बनासकांठा समेत उत्तरी गुजरात में भारी बारिश का अनुमान है।

जिसे देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन सतर्क हो गया है और बारिश के बाद किसी भी स्थिति से निपटने की तैयारियों में जुट गया है। बता दें कि वर्ष 2017 में भारी बारिश के कारण बनासकांठा में काफी तबाही हुई थी, जिसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने पहले ही तैयारियां शुरू कर दी हैं।

बरसाती माहौल और समुद्र के मिजाज को देखते हुए गुजरात के 7 बंदरगाहों पर 3 नंबर का सिग्नल लगा दिया गया है। जिसमें पोरबंदर, घोघा, दहेज पर 3 नंबर का सिग्नल लगाया गया है। दहेज बंदरगाह पर 3 नंबर के सिग्नल के साथ अलर्ट जारी किया गया है। समुद्र में चक्रवात की संभावना को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है। हांलाकि 3 नंबर का सिग्नल लगाने के बाद ज्यादातर मछुआरे समुद्र नहीं गए। जो बोटें पहले से समुद्र में थीं, वह मौसम खराब देखते हुए किनारे लौट आई हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)